दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

वर्ष: 30 | अंक: 231 | भोपाल, शुक्रवार 5 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

संक्षिप्त समाचार

रनवे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस विमान से टकराई चील, फ्लाइट रद्द

विजयवाड़ा एजेंसी। गुरुवार 4 सितंबर को विजयवाड़ा से बेंगलुरु जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान उस समय रद्द करनी पड़ गई जबकि टेक ऑफ से ठीक पहले रनवे पर विमान के अगले हिस्से से एक चील टकरा गई। एयरलाइन अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उड़ान भरने से पहले हुई, जिसके चलते यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट रद्द कर दी गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने विमान के सभी यात्रियों के लिए तुरंत ही वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की और असुविधा होने पर खेद जताया है। एयरलाइन ने कहा कि जमीनी परिचालन के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। गौरतलब है कि गत 3 सितंबर को तिरुचिरापल्ली से उड़ान भरने वाले एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। यात्रियों को दूसरी उड़ान से भेजा गया।

वसुंधरा की भागवत से मुलाकात को लेकर सियासी अटकलें तेज

जोधपुर एजेंसी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात क्या की सियासी गलियारे में अटकलों का बाजार ही गर्म हो गया। वजह सिर्फ इतनी रही कि भेंट के दौरान बातचीत का एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया, इससे तरह-तरह की बातें सोशल मीडिया से मेन मीडिया तक की सुर्खियां बन गई हैं। दरअसल जोधपुर प्रवास पर आए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने मुलाकात की। हालांकि इस दौरान हुई बातचीत का एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया। यहां बताते चलें कि मोहन भागवत सोमवार से नौ दिवसीय दौरे पर जोधपुर में हैं। वहीं, राजे मंगलवार को जैसलमेर के मोहनगढ़ भी गई थीं, जहां उन्होंने पूर्व भाजपा सांसद कर्नल सोनाराम को श्रद्धांजलि दी।

देश के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

- पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में हुई 11 मौतें

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अखबार में छपी खबर के बाद स्वत: संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका पर सुनवाई शुरू की, जिसमें देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इस वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया था।

इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी अहम बिंदुओं, जिनमें लॉक-अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जांच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाए।

कोर्ट के निर्देशों के बावजूद कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे जांच और जवाबदेही में बाधा आती है। पुलिस एजेंसियों ने हिरासत में दुर्व्यवहार से जुड़े मामलों में अक्सर तकनीकी समस्याओं या फुटेज की अनुपलब्धता को बाधा के रूप में पेश किया है। सुप्रीम कोर्ट के स्वत: संज्ञान कार्रवाई अनुपालन और प्रवर्तन में जारी कमियों को रेखांकित करती है।

कोर्ट ने सीसीटीवी की खरीद, स्थापना और रखरखाव करने के लिए राज्य और केंद्रीय निगरानी समितियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कोर्ट ने निर्देश दिया कि गंभीर चोटों या हिरासत में मौतों से जुड़े मामलों में, पीड़ित या उनके परिवार मानवाधिकार आयोगों या अदालतों से संपर्क कर सकते हैं, जिनके पास जांच और साक्ष्य संरक्षण के लिए सीसीटीवी फुटेज मांगने का अधिकार है।

जीएसटी में बदलाव, रोटी-तेल से लेकर टीवी तक हुआ सस्ता

मोदी सरकार ने आमजन को त्योहारों से पहले दी बड़ी राहत

एजेंसी | नई दिल्ली

मोदी सरकार ने आम जनता को त्यौहारों से पहले बड़ी राहत प्रदान कर दी है। दरअसल 4 सितंबर को दिल्ली में हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में राहत पहुंचाने वाले बड़े बदलावों पर मुहर लगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि अब देश में केवल दो सक्रिय जीएसटी स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे। पहले की तरह 12 फीसदी और 28 फीसदी स्लैब को हटा दिया गया है। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा। केंद्र सरकार का कहना है कि इन बदलावों से रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली बहुत सी चीजें सस्ती होंगी, जिससे खासकर मध्यम वर्ग और गरीबों को सीधा लाभ मिलेगा। जीएसटी कटौती के बाद कई जरूरी वस्तुएं अब या तो शून्य टैक्स (0 फीसदी) या सिर्फ 5 फीसदी टैक्स के दायरे में आ गई हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने जीएसटी में सुधार करने की बात कही थी। जीएसटी में सुधार के लिए सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों ने समर्थन दिया। समय की मांग को ध्यान में रखकर वित्त मंत्रियों ने सपोर्ट किया, इसके लिए उनका भी धन्यवाद। यहां बताते चलें कि शून्य फीसदी जीएसटी वाली चीजें (पूरी तरह टैक्स फ्री) भी हैं, जिनमें 33 जीवन रक्षक दवाएं, कैंसर की दवाएं, दुर्लभ बीमारियों की दवाएं, व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य पॉलिसियां, मानचित्र, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, पेस्टल, अभ्यास पुस्तिकाएं, नोटबुक, रबड़, दूध, छेना या पनीर, पहले से पैक और लेबल वाला, पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती या रोटी आदि प्रमुख हैं। इसका सीधा लाभ आमजन को मिलेगा वहीं मध्यम वर्गीय परिवारों को भी राहत मिलने की उम्मीद जाहिर की जा रही है। दरअसल पांच फीसदी स्लैब में आने वाले सामान में बालों का तेल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टॉयलेट साबुन, टूथब्रश, शेविंग क्रीम, मक्खन, घी, पनीर और डेयरी स्प्रेड, नमकीन, बर्तन, दूध की बोतलें, शिशुओं के लिए नैपकिन और क्लिनिकल डायपर, सिलाई मशीनें और उनके पुर्जे, थर्मामीटर, मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, सभी डायग्नोस्टिक किट और अभिकर्मक, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप, चश्मा, ट्रैक्टर के टायर, पुर्जे, ट्रैक्टर, निर्दिष्ट जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व, टपक सिंचाई प्रणाली और स्प्रिंकलर और मिट्टी तैयार करने के लिए कृषि, बागवानी या वानिकी मशीनें शामिल हैं। इन सामानों के सस्ते होने से आमजन को खासी राहत मिलने की उम्मीद है।

पूर्व वित्त मंत्री का तंज

राज्यसभा सांसद एवं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने अपने पोस्ट में लिखा है, जीएसटी को तर्कसंगत बनाना और कई वस्तुओं व सेवाओं पर दरों में कमी स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसमें 8 साल की देरी हो चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ चिदंबरम ने जीएसटी दरों में कटौती का स्वागत किया है लेकिन इसके साथ ही उसकी टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए सवाल उठाया कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने में सरकार को 8 साल क्यों लग गए? सोशल मीडिया एक्स पर लिखे एक पोस्ट में उन्होंने पूछा है कि क्या जीएसटी की जो नई दें अब लागू की गई हैं। वे शुरू से ही नहीं लागू किया जाना चाहिए था? सरकार के अचानक इस कदम के पीछे क्या कारण रहे होंगे।

पुतिन बोले- ट्रम्प भारत-चीन को धमकाना बंद करें: दोनों देशों को टैरिफ से नहीं डरा सकते; अगर झुके तो उनकी राजनीति खत्म हो जाएगी

एजेंसी | बीजिंग

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं।

चीन की विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के बाद बुधवार (3 सितंबर) को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रम्प, भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा, भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर

खत्म हो सकता है। दरअसल, ट्रम्प भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रम्प अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं।

ट्रम्प ने बुधवार को द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में कहा था कि इस (टैरिफ) नीति की वजह से अमेरिका को ताकत मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं।

पुतिन बोले- ट्रम्प रूढ़िवादी मानसिकता वाले इंसान

पुतिन ने अमेरिका के रवैये को पुराना और रूढ़िवादी मानसिकता वाला बताया। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक युग अब खत्म हो चुका है। अमेरिका को समझना होगा कि वह अपने पार्टनरों से ऐसी भाषा में बात नहीं कर सकता। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में तनाव कम होगा और सामान्य राजनीतिक बातचीत फिर शुरू होगी।

करमा पूजा के दौरान हुआ हादसा 3 किशोरियों समेत 4 की मौत

एजेंसी | नवादा

बिहार के नवादा जिले में करमा पूजा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को पकरीबरावां थाना क्षेत्र के दतरौला गांव में तालाब में स्नान करने गईं तीन किशोरियों और एक महिला की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया। मृतकों में पंचायत समिति सदस्य कृष्ण पासवान की बेटियां अनामिका कुमारी (12) और पूजा कुमारी (18), इसी परिवार के शंभु पासवान की पत्नी ज्योति देवी (28) और उनकी बेटी खुशबू कुमारी (11) शामिल हैं। इसके अलावा राजेंद्र पासवान की बेटी प्रियंका कुमारी को गंभीर हालत में नवादा रेफर किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक निशु मलिक ने मीडिया को बताया कि पूजा-अर्चना के लिए तालाब में स्नान करने के दौरान गहराई का अंदाजा न लग पाने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से सभी शवों को बाहर निकाला गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने आवश्यक कानूनी व प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने की बात कही है।

पंजाब में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने किया बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा

अमृतसर एजेंसी। पंजाब में लगातार भारी बारिश और बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमृतसर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों और ग्रामीणों से मुलाकात की तथा खेतों में खड़ी फसलों को हुए नुकसान का निरीक्षण किया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने अमृतसर के अलावा कपूरथला और गुरदासपुर जिलों का भी दौरा किया और देर शाम अमृतसर में अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक करने पहुंचे हैं। गौरतलब है कि शिवराज सिंह ने बुधवार को मीडिया से कहा था, कि केंद्र सरकार हालात पर लगातार नजर रख रही है।

स्वच्छता से खुलता है समृद्धि का द्वार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वच्छता से समृद्धि आती है। स्वच्छता हमारी परंपरा, दिनचर्या और संस्कारों में सदियों से शामिल रही है, किंतु समय के साथ हम इसे भूलते गए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन आदतों और संस्कारों को पुनर्जीवित कर स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वच्छता कर्मवीरों के सम्मान और सहभोज कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर ने लगातार आठ बार प्रथम स्थान प्राप्त कर देश

में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए इंदौर के सभी 36 लाख नागरिक और विशेष रूप से स्वच्छता कर्मवीर बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में विश्वस्तरीय पहचान बनाई है। यह उपलब्धि टीम भावना, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और सफाईकर्मियों की अथक मेहनत से संभव हुई है। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड, महेंद्र हार्डिया, विधायक मधु वर्मा एवं सुऊषा ठाकुर, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया, सुमित मिश्रा, श्रवण चावड़ा, पूर्व विधायक जीतू जिराती, पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता कर्मवीरों का सम्मान कर उनके साथ भोजन किया। उन्होंने इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार आठ बार अव्वल बनाने के लिए स्वच्छता कर्मवीरों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मवीरों ने अपनी कर्मठता, लगन, मेहनत, सेवा और समर्पण भाव से कार्य कर इंदौर को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाया है। साथ ही स्वच्छता कर्मवीर सही अर्थों में सम्मान के हकदार है। उन्होंने स्वच्छता का महागुरु लोगो का विमोचन भी किया। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों को भी पुरस्कृत किया।

इलेक्ट्रिक एसी बस में किया सफर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की लोक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत की 50 नई इलेक्ट्रिक बसों का लोकार्पण किया। इंदौर को कुल 150 नई इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी, इनमें से उक्त 50 बसों का लोकार्पण किया गया है। इन बसों में डिजिटल पेमेंट व्यवस्था भी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिजिटल पेमेंट व्यवस्था का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बस में सवार भी हुए और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, जीपीएस, सीसीटीवी, पेनिक बटन एवं अन्य सुविधाओं को देखा।

दिल्ली में यमुना का पानी सड़कों पर: एमपी के उज्जैन में मंदिर डूबा राजस्थान में दौसा के बाजार में पानी भरा; पंजाब में गुरुद्वारे की दीवार ढही

एजेंसी | चंडीगढ़/दिल्ली/शिमला

दिल्ली में यमुना का पानी शहर के अंदर घुस गया है। गुरुवार को शहर के कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भरा है। मयूर विहार फेज-1 में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों में यमुना का पानी भर गया। अलीपुर में नेशनल हाईवे-44 पर फ्लाईओवर का एक हिस्सा धंस गया। मध्य प्रदेश के उज्जैन में क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे के मंदिर डूब गए हैं। उनके गुंबद तक पानी आ गया है। रतलाम में रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 पानी में डूबा है।

राजस्थान में दौसा जिले के कई इलाकों में गुरुवार को बारिश हुई। सिकराय सहित कई इलाकों के बाजारों में पानी भर

गया। अजमेर में जेएलएन हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज पानी में आधा डूब गया है। पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की मौत हुई है। रोपड़ के गांव नारंगपुर (बारी) में गुरुद्वारा तपस्तान बीबी मुमताजगढ़ साहिब की दीवार ढह गई। यूपी के पीलीभीत में 25 गांव और मथुरा में 6 गांव बाढ़ में डूब गए हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। हरियाणा के भी कई इलाके बाढ़ में डूबे हैं। राज्य में 11 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में गुरुवार सुबह लैंडस्लाइड में दो घर ढह गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 लोग अंदर फंस गए हैं।

उज्जैन में मंदिर, रतलाम में रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म डूबा

मध्यप्रदेश में गुरुवार को 35 जिलों में बारिश हुई। इंदौर, उज्जैन और रतलाम में तो इतना पानी गिरा की बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। नदी-नाले उफान पर आ गए। निचले इलाकों में पानी भर गया। इंदौर में सबसे ज्यादा 2.6 इंच पानी गिरा। यहां बारिश के चलते शाम को बायपास पर जाम लग गया। जिसमें हजारों की संख्या में वाहन फंस गए। रतलाम में 2 इंच से ज्यादा बारिश हुई। भोपाल, बैतूल, दतिया, ग्वालियर, पचमढ़ी, श्योपुर, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सतना, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, बालाघाट, नर्मदापुरम, शिवपुरी, खंडवा, रायसेन, विदिशा, मंदसौर, अशोकनगर, खरगोन, शाजापुर, धार, सीहोर, राजगढ़, आगर-मालवा और देवास जिले में भी बारिश का दौर चला।

दुश्मन को फंसाने डकैत हनुमान का साथी बताकर भेजा पत्र

महिला जज को 5 अरब फिरौती की धमकी, प्रयागराज से पकड़ा गया

नगर प्रतिनिधि | रीवा

रीवा जिलें के त्योंथर न्यायालय में पदस्थ न्यायधीश को धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में लिखा था कि जिंदा रहना है तो पैसा देना पड़ेगा, पत्र में 5 अरब की मांगी गई। फिरौती भरा पत्र त्योंथर न्यायालय के न्यायाधीश मोहिनी भदौरिया को पोस्ट ऑफिस से मिला। धमकी वाले पत्र में आरोपी ने खुद को डकैत हनुमान का साथी बताया गया। न्यायाधीश ने आज (गुरुवार) सोहागी थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जज की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर लिया। रीवा एसपी विवेक सिंह का कहना है कि यह घटना 2 सितम्बर की है। पुलिस ने तत्काल शिकायत

मिलते ही मामला दर्ज कर लिया। संदेही की गिरफ्तारी के लिए प्रयागराज की ओर टीम रवाना की गई। पुलिस ने आरोपी देवराज सिंह को गुरुवार शाम गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिश

शुल्क संघर्ष बढ़ने के बीच भारत और जापान ने अपने विशेष रणनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के वास्ते अगले दस वर्षों के लिए साझेदारी का एक नया खाका तैयार किया है। इसमें रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, दवा, महत्त्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकी और आर्थिक सुरक्षा ढांचा शामिल हैं। इसके तहत कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं, जिनमें न केवल साझा हित निहित हैं, बल्कि वैश्विक कारोबार में भी दोनों देशों की साख मजबूत होगी। खासकर, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क से निपटने के उपायों की तलाश के बीच जापान से यह साझेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत व्यापार के वैकल्पिक रास्ते खोजने में जुटा है और जापान के साथ समझौतों को इसी कड़ी का एक हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से जापान भी अछूता नहीं है और ऐसे में वह भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिशों के तहत भारत ने चालीस देशों के साथ व्यापारिक संवाद का अभियान शुरू किया है। जापान भी उनमें से एक है। विभिन्न समझौतों के तहत जापान ने भारत में एक दशक के भीतर दस हजार अरब येन (करीब 60,000 करोड़ रुपए) के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी कामगारों को एक-दूसरे के यहां आसानी से आने-जाने एवं काम करने का मौका देने को लेकर भी एक कार्ययोजना बनी है। माना जा रहा है कि इससे पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों के जापान जाने का रास्ता खुलने की उम्मीद है। एक समझौता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एअरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजंसी के बीच चंद्रमा के लिए संयुक्त अन्वेषण मिशन में सहयोग को लेकर हुआ है। दरअसल, भारत-जापान की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसमें दोराय नहीं कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा का संयोजन अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नए आयाम को आकार दे सकता है। रक्षा उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग परस्पर आत्मनिर्भरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। दोनों देशों ने पेरिस समझौते के तहत कार्बन क्रेडिट व्यापार पर एक साथ काम करने के लिए भी समझौता किया है। इस कदम से भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों के लिए धनराशि और प्रौद्योगिकी हासिल करने में मदद मिल सकती है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया और सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों को जवाबदेह ठहराने की बात कही। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी

55 मिनट अमेरिका की थमी रही धड़कन...

भारत-रूस के 'राज' भांप नहीं पाए ट्रंप

(दिनेश मिश्र)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में चीन की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सदस्यों से आतंकवाद से लड़ने के लिए दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सदस्य देशों की एकजुटता के लिए उनका आभार जताया। मोदी ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा। उन्होंने पाकिस्तान की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए समूह से उन देशों को जवाबदेह ठहराने का भी आग्रह किया जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और उसका समर्थन करते हैं। हालांकि, इससे पहले एक तस्वीर मीडिया में आई, जिसमें एक कार में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी साथ दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर यह तस्वीर शेयर करते हुए लिखा-राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर हमेशा खुशी होती है!पुतिन के साथ मोदी की यह तस्वीर सामने आते ही अमेरिका की ट्रंप सरकार में खलबली मच गई और भारत को लेकर दनादन बयान जारी होने लगे। जानते हैं पूरी कहानी।

● **जब मोदी और पुतिन मिले तो अमेरिका को लगी मिर्ची-** एस सीओ के सदस्य देशों ने पहलगाम हमले की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना जताई। सदस्यों ने आगे कहा कि ऐसे हमलों के दोषियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। सम्मेलन से इतर, प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भी बातचीत की, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मास्को से कच्चे तेल की खरीद को लेकर नई दिल्ली के साथ तनाव बढ़ा रहे हैं। इससे पहले रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने अपने सीमा मतभेदों को सुलझाने और सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।

● **मोदी-पुतिन की तस्वीर सामने और ट्रंप का टैरिफ पीछे-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोमवार को चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद अपनी द्विपक्षीय बैठक के लिए एक ही वाहन में यात्रा की। यह तस्वीर तब आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मॉस्को के साथ नई दिल्ली के तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में रूसी नेता के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा-एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।

● **कार में मोदी-पुतिन 45 मिनट रहे, अमेरिका भांप नहीं पाया-** एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन एससीओ सम्मेलन स्थल से रिट्ज-कार्लटन होटल में आयोजित द्विपक्षीय बैठक तक प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करना चाहते थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल होने के लिए लगभग 10 मिनट तक उनका इंतजार किया। उन्होंने कहा-इसके बाद दोनों नेता उनकी कार में साथ-साथ यात्रा करते हुए विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करते रहे। द्विपक्षीय बैठक स्थल पर पहुंचने के पहले उन्होंने कार में 45 मिनट बिताए। इसके बाद, दोनों नेताओं की एक पूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई जो एक घंटे से ज्यादा चली।

● **मोदी-पुतिन के इस कदम से ट्रंप दरकिनार-** राष्ट्रपति पुतिन का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने रूस के साथ भारत के तेल व्यापार की सार्वजनिक रूप से निंदा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई दिल्ली पर यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया है। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जो एशिया में सबसे ज़्यादा है। इससे भारत को ऊर्जा ख़रीद के लिए दंडित किया जा सकता है। अमेरिकी दबाव के बावजूद, भारत ने मास्को के साथ अपना तेल व्यापार बंद नहीं किया है और कहा है कि उसके राष्ट्रीय हित उसकी ऊर्जा आयात नीतियों का मार्गदर्शन करेंगे। नई दिल्ली ने अमेरिकी शुल्कों को अनुचित और अतार्किक भी बताया है।

● **भारत-रूस का गठजोड़ अमेरिकी हितों के खिलाफ-** ट्रंप के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने पीएम मोदी की रूस और चीन के नेताओं के साथ नजदीकियों पर आपत्ति जताई है। नवारो ने कहा कि मोदी का शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़ा होना शर्मनाक है। उन्होंने सवाल उठाया कि पता नहीं मोदी क्या सोच रहे हैं, हमें उम्मीद है कि वे समझेंगे कि उन्हें रूस की बजाय हमारे साथ होना चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है।

● **मोदी की एससीओ बैठक में हिस्सा लेना महज छलावा-** अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे रूस की जंग मशीन को ताकत मिल रही है। उन्होंने भारत को बुरा खिलाड़ी करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिखर बैठक में हिस्सा लेने को छलावा करार देते हुए कहा कि अमेरिका और भारत मजबूत लोकतंत्र हैं और मतभेद सुलझा सकते हैं।

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया।

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हैं। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।

शून्य से शिखर की प्रेरक गाथा है संपतिया उइके का राजनीतिक सफर

देश में जनजातीय समुदायों की बहुलता वाले राज्यों में मध्यप्रदेश का नंबर सबसे ऊपर है । मध्यप्रदेश की लगभग साढ़े सात करोड़ आबादी का पांचवां हिस्सा आदिवासियों का है और मध्यप्रदेश के जिन जिलों में आदिवासी समुदायों की बहुलता है उनमें मंडला को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। पुण्य सलिला नर्मदा के तट पर बसे मंडला की धरती पर ऐसी अनेक विभूतियों ने जन्म लिया है जिन्होंने आदिवासी समाज के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए अपने सराहनीय योगदान से न केवल मंडला जिले अपितु संपूर्ण मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। इन यशस्वी विभूतियों में संपतिया उइके का नाम प्रमुखता से लिया जाता है जो लगभग डेढ़ वर्षों से मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय का कार्य भार दक्षता पूर्वक रही हैं। अत्यंत सहज , सरल और विनम्रता की प्रतिमूर्ति संपतिया उइके ने अपने सार्वजनिक जीवन में जो यश अर्जित किया है वह उनके चार दशकों के कठिन संघर्ष , त्याग और तपस्या का प्रतिफल है। संपतिया उइके हमेशा से ही प्रदेश में भाजपा के उन जुझारू नेताओं की अग्रिम पंक्ति में शामिल रही हैं जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी। अपने लगभग चार दशक के राजनीतिक सफर में संपतिया उइके ने बड़ी से बड़ी चुनौती को भी हंसकर स्वीकार किया और उस पर जीत हासिल की। यूं तो संपतिया उइके के ऐसे विरोधियों की संख्या भी कभी कम नहीं रही जिनने इस जीवट आदिवासी महिला नेता के पथ में अवरोध खड़े करने में कोई कसर नहीं छोड़ी परंतु अंततः उनके विरोधियों को मुंह की खानी पड़ी। मैं संपतिया उइके के राजनीतिक सफर का साक्षी रहा हूं और यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि संपतिया उइके ने अपनी अद्भुत सहन शक्ति, साहस और सूझबूझ से हमेशा अपने विरोधियों को आश्चर्यचकित किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी संपतिया उइके के इन गुणों के कायल हैं और यही कारण है कि संपतिया उइके की गणना मुख्यमंत्री यादव के विश्वासपात्र निकटतम मंत्रिमंडलीय सहयोगियों में की जाती है । संपतिया उइके की सराहनीय कार्यशैली और कर्मठता ने मुख्यमंत्री के इस विश्वास को विगत डेढ़ वर्षों में निरंतर मजबूत किया है। संपतिया उइके के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि वे अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाती और बड़े से बड़ा प्रलोभन भी उन्हें उनके कर्तव्य पथ से विचलित नहीं कर सकता।

यूं तो संपतिया उइके ने अपने सुदीर्घ राजनीतिक जीवन में अनेकों उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं परन्तु 4 सितंबर 1967 को मंडला जिले के एक छोटे से गांव में जन्मी इस यशस्वी आदिवासी नेता का बचपन अभावों से संघर्ष करते हुए बीता। थोड़ी बड़ी हुई तो पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के लिए अनिवार्य अर्थोपार्जन हेतु उन्होंने मजदूरी करने से भी परहेज़ नहीं किया। शिक्षार्जन के पश्चात् उन्होंने शिक्षकीय व्यवसाय को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया और अल्पकाल में ही विद्यार्थियों की चहेती शिक्षिका के रूप में उनकी ख्याति आसपास के क्षेत्रों तक फैल गई परंतु उनके भाग्य में तो विधाता ने पहले से ही समाज सेवा का क्षेत्र चुन रखा था। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत मंडला जिले के टिकरवारा ग्राम पंचायत के सरपंच का चुनाव जीत कर की । यहां से शुरू हुए अपने राजनीतिक सफर में इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे तीन बार जिला पंचायत की सदस्य निर्वाचित हुईं। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पुनीत भावना से संपतिया उइके ने महिला स्व-सहायता समूहों के गठन की जो पहल की उसके लिए उन्हें पर्याप्त सराहना मिली। कालांतर में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद अनिल माधव दवे के आकस्मिक निधन से रिक्त हुई सीट के लिए भाजपा ने संपतिया उइके का चयन किया । 2023 में संपन्न विधानसभा चुनावों में उन्होंने जब मंडला से राज्य विधानसभा में प्रवेश किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी। तब से वे मोहन यादव सरकार की महत्वपूर्ण सदस्य बनीं हुईं। राज्य सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में भी उनकी राय की अपनी अहमियत होती है। संपतिया उइके का राजनीतिक सफर शून्य से शिखर की प्रेरक गाथा से कम नहीं है। उनके राजनीतिक सफर में अभी और कई महत्वपूर्ण पड़ाव आना बाकी हैं। मैं उनके जन्म दिवस के अवसर पर इस लेख के माध्यम से उन्हें हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। कृष्णमोहन झा/

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

प्राकृतिक आपदाओं की भयंकर मार- हिमालय पर छोटी जलधाराओं का बड़ा उत्पात

बीच का हिमाचल प्रदेश तो बिगत कुछ वर्षों से प्रकृति की इस भयंकर मार को तो निरन्तर झेल ही रहा है। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गलतियां तो इन आपदाओं के प्रमुख कारण हैं ही, लेकिन छोटी सहायक नदियां और नाले, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'गाड़' या 'गदेरा' कहा जाता है, उन पर चर्चा नहीं हा रही है।जबकि, यही गाड़ -गदेरे ही तबाही को अंजाम देते हैं। ये छोटी जलधाराएं, जैसे खीर गाड़, बिरही गाड़, कनोडिया गाड़, और अस्सी गंगा, बड़ी नदियों जैसे गंगा, अलकनंदा, भगीरथी और चिनाब की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी साबित होती हैं।इनका विकराल रूप कोई नई बात नहीं है।

(जयसिंह रावत)

उत्तराखंड के धराली से जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ तक के पश्चिमी हिमालय का क्षेत्र इन दिनों त्वरित बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भयंकर मार झेल रहा है। गत 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली में खीर गाड़ और फिर 14 अगस्त को किश्तवाड के चशोती में नालों से आई बाढ़ ने इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से उजागर कर दिया।

बीच का हिमाचल प्रदेश तो बिगत कुछ वर्षों से प्रकृति की इस भयंकर मार को तो निरन्तर झेल ही रहा है। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गलतियां तो इन आपदाओं के प्रमुख कारण हैं ही, लेकिन छोटी सहायक नदियां और नाले, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'गाड़' या 'गदेरा' कहा जाता है, उन पर चर्चा नहीं हा रही है।जबकि, यही गाड़ -गदेरे ही तबाही को अंजाम देते हैं। ये छोटी जलधाराएं, जैसे खीर गाड़, बिरही गाड़, कनोडिया गाड़, और अस्सी गंगा, बड़ी नदियों जैसे गंगा, अलकनंदा, भगीरथी और चिनाब की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी साबित होती हैं।इनका विकराल रूप कोई नई बात नहीं है। सन् 1970 की अलकनंदा बाढ़ से लेकर 1978 की भगीरथी बाढ़ और अब 2025 की धराली आपदा तक, छोटी नदियों और नालों की विनाशकारी शक्ति बार-बार सामने आई है।इसलिए जरूरी है कि इस क्षेत्र के जल तंत्र को समझा जाए हिमालय के समूचे जलागम क्षेत्र का अध्ययन कर भविष्य के लिए बचाव रणनीति तैयार की जाए। वैसे भी गंगा, यमुना, सतलज और झेलम जैसी नदियों के श्रोत ही यही गाड़ गदेरे है। ये छोटी धाराएं संकीर्ण घाटियों और तीव्र ढलानों में पानी और मलबे को तेजी से नीचे लाती हैं, जिससे त्वरित बाढ़ और मलबा बहाव होता है।हिमालयी जल तंत्र जटिल है, जहां जलवायु परिवर्तन, ऊबड़-खाबड़ भू-आकृति, और मानवीय गतिविधियां आपदाओं को जन्म देती हैं। गंगा जैसी विशाल नदियां देवप्रयाग से शुरू होती हैं, लेकिन उनकी सहायक नदियां अलकनंदा और भगीरथी, और इनसे जुड़े छोटे गाड़-गदेरे, इनका

असली जलस्रोत हैं।अंतरराष्ट्रीय जलवायु अनुसंधान केंद्र के अध्ययन के अनुसार, हिमालय में 70-80 प्रतिशत त्वरित बाढ़ें छोटी धाराओं से जुड़ी हैं, जो ऊपरी क्षेत्रों में भारी वर्षा या हिमपात के पिघलने से उत्पन्न पानी को तेजी से नीचे लाती हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार मृदा और जल मूल्यांकन उपकरण मॉडल से अलकनंदा नदी तंत्र का विश्लेषण दिखाता है कि 20 से 24 प्रतिशत पानी इन छोटी धाराओं से आता है, जो बाढ़ को बढ़ाता है।पूरे जल संग्रहण क्षेत्र का अध्ययन न करने से पूर्वानुमान और रोकथाम असंभव हो जाता है। विशेषज्ञ आनंद शर्मा, जो भारतीय मौसम विभाग के पूर्व निदेशक हैं, कहते हैं कि बादल फटने की बजाए पूरे जल संग्रहण क्षेत्र की वर्षा की निगरानी जरूरी है, क्योंकि दूरस्थ छोटी धाराएं ही बाढ़ का मुख्य कारण बनती हैं।छोटी नदियां और नाले बड़ी नदियों से ज्यादा नुकसान क्यों करते हैं? इसका कारण भौगोलिक, जलवायु-संबंधी और मानवीय कारकों का संयोजन है। हिमालय की संकीर्ण घाटियां और 40 से 50 डिग्री तक की तीव्र ढलानें पानी और मलबे को तेज गति देती हैं। ये धाराएं भारी वर्षा या हिमपात के पिघलने से भरकर मिट्टी, पत्थर, पेड़-पौधे और बड़े-बड़े बोल्डर नीचे लाती हैं, जिससे मलबा प्रवाह क्षेत्र बनते हैं।

अगर इन क्षेत्रों पर बाजार या बस्तियां बनी हों, जैसा कि धराली में हुआ, तो विनाश कई गुना बढ़ जाता है। छोटे नाले बड़ी नदियों को अस्थायी रूप से रोकने में भी सक्षम होती हैं, जिससे झीलें बनती हैं। इन दिनों धराली के ही निकट एक अन्य नाले द्वारा बाढ़ में लाए गए मलबे के कारण भागीरथी में झील बनी हुई है।

ऐसी झीलों के टूटने से टूटने से भयंकर बाढ़ आती रही हैं। उदाहरण के लिए, 1978 में उत्तरकाशी में कनोडिया गाड़ ने भूस्खलन से गंगनानी में 30 मीटर ऊंचा अस्थायी बांध बनाया, जिसके टूटने से भगीरथी में बाढ़ ने निचले क्षेत्रों को तबाह कर दिया।

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान वायुमंडल में नमी बढ़ाता है, जिससे चरम वर्षा की घटनाएं बढ़ती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे की 2022 की स्टडी ने पिछले 50 वर्षों में पश्चिमी हिमालय में ऐसी घटनाओं में वृद्धि साबित की है। इसके अलावा, ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलें फटने पर त्वरित बाढ़ लाती हैं।

मानवीय गतिविधियां, जैसे अव्यवस्थित सड़क निर्माण, बांध, और वनों की कटाई, भूगर्भीय रूप से कमजोर क्षेत्रों में ढलानों को अस्थिर करती हैं। मुख्य केंद्रीय थ्रस्ट जोन, जहां चट्टानें टूटी-फूटी हैं, में धराली जैसे स्थानों पर भगीरथी के पास निर्माण ने मलबा बहाव को बढ़ाया है। सिक्किम का तीस्ता-तृतीय बांध, जो 2023 में नष्ट हुआ, इसका एक और उदाहरण है।

इन आपदाओं के ऐतिहासिक उदाहरण इस क्षेत्र की भेद्यता को रेखांकित करते हैं। अगस्त 2025 में धराली में खीर गाड़ से आई त्वरित बाढ़ ने बाजार को बहा दिया, जिसमें बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। खीर गाड़ ने भगीरथी को मुखवा की ओर धकेल दिया, जिससे नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ।

अधीक्षक भू-अभिलेख और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के पद हुए मर्ज

नायब तहसीलदार और तहसीलदार के 2278 पद होंगे, तेजी से निबटेंगे राजस्व कोर्ट केस

भोपाल। मप्र में रेवेन्यू कोर्ट और अन्य मजिस्ट्रियल कार्यों के लिए राजस्व विभाग के पास अब 2278 अधिकारी हो गए। 3 जून को पचमढ़ी में हुई कैबिनेट बैठक में इसका फैसला लिया गया था। जिस पर अब राजस्व विभाग ने आदेश किए हैं। दरअसल, सरकार ने अधीक्षक भू-अभिलेख, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के पदों को आपस में मर्ज कर दिया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत अब अधीक्षक भू-अभिलेख (एसएलआर) और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख (एएसएलआर) के पदों पर काम करने वाले अफसरों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के पॉवर मिल जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि राजस्व न्यायालयों में पेंडिंग मामलों के निराकरण में तेजी आ सकेगी। पिछले माह राजस्व अधिकारी संघ और अधीक्षक भू-अभिलेख संघ ने प्रदर्शन किया था। इसके बाद संघ और अधिकारियों के बीच बैठक हुई। अब यह आदेश जारी किया है। राजस्व अधिकारी संघ जिसमें तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल रहते हैं। उन्होंने गैर न्यायालयीन काम और न्यायालयीन काम के लिए तहसीलदारों की संख्या स्थिर किए जाने का विरोध किया था। इसके बाद राजस्व विभाग ने गैर न्यायिक शब्दावली को विलोपित करने के आदेश जारी किए थे। इसके साथ ही पदों के मर्जर को लेकर कैबिनेट के फैसले के आधार पर जल्द आदेश जारी करने की मांग की गई थी।

ऐसा होगा तहसीलदारों का नया सेटअप

राजस्व विभाग के जारी आदेश में कहा है कि प्रदेश में अधीक्षक भू-अभिलेख के 144 पद और तहसीलदार के 610 पद मंजूर हैं। दोनों पद कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अंतर्गत समान वेतनमान वाले हैं। इन पदों का आपस में समायोजन हो जाने के बाद अब तहसीलदार के कुल 754 पद हो जाएंगे। अधीक्षक भू-अभिलेख जिनका नया नाम तहसीलदार होगा, इस पद से डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति के लिए पूर्व में तय सीनियरिटी के आधार पर अपनाई गई प्रोसेस का पालन तब तक किया जाता रहेगा जब तक यह पूरा कैडर रिटायरमेंट या अन्य कारणों से पूरी तरह रिक्त नहीं हो जाता है। अधीक्षक भू-अभिलेख कैडर के पदों पर केवल नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख की ही पदोन्नति की जा सकेगी। यह कैडर तब तक अस्तित्व में रहेगा जब तक कि पूरे कैडर यानी अधीक्षक भू-अभिलेख और सहायक अधीक्षक भू -अभिलेख के रूप में पदस्थ अधिकारी रिटायर नहीं हो जाएंगे। दोनों ही समान कैडर के पदों को मर्ज किए जाने के पाद भू-अभिलेख कैडर के वजूद में रहने तक अधीक्षक भू-अभिलेख और तहसीलदार कैडर की अलग-अलग पदक्रम सूची बनाई जाएगी।

एएसएलआर और नायब तहसीलदार के लिए ऐसी होगी व्यवस्था

इसी तरह सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख और नायब तहसीलदार कैडर को पदों के समायोजन को लेकर भी मंजूरी दी गई है। प्रदेश में सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के 282 और नायब तहसीलदार के 1242 पद स्वीकृत हैं। दोनों ही पद कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अंतर्गत समान वेतनमान वाले पद हैं। इसलिए दोनों ही पदों को आपस में मर्ज कर दिया है। इसके बाद प्रदेश में नायब तहसीलदार कैडर के कुल 1524 पद हो जाएंगे। अधीक्षक भू-अभिलेख (तहसीलदार) कैडर के पदों पर केवल नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को ही पदोन्नति दी जाएगी। यह क्रम तब तक चलता रहेगा जब तक कि इस कैडर के सभी अधिकारी रिटायर नहीं हो जाते। सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख कैडर में सीधी भर्ती के स्वीकृत पदों पर अब कोई नई भर्ती नहीं की जाएगी। सीधी भर्ती के रिक्त पद जैसे जैसे खाली होते जाएंगे उन पदों को नायब तहसीलदार के स्वीकृत पदों के साथ जोडकर नई भर्ती नायब तहसीलदार के रूप में की जाएगी। सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के प्रमोशन के लिए मंजूर पदों पर राजस्व निरीक्षक के पद से प्रमोशन की कार्यवाही पहले की तरह नायब तहसीलदार और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख दोनों ही पदों पर पदोन्नति के लिए तय प्रतिशत के अनुसार की जाएगी। यह प्रक्रिया तब तक चलेगी जब तक वर्तमान में पदस्थ सभी राजस्व निरीक्षक की पदोन्नति नहीं हो जाती। नई भर्ती के अंतर्गत राजस्व निरीक्षकों के प्रमोशन की कार्यवाही नायब तहसीलदार भर्ती नियम 2011 के अनुसार की जाएगी।

प्रदेशभर में पकड़े जाएंगे लाल मुंह वाले बंदर

वन विभाग ने कलेक्टरों और सीईओ को जारी किए निर्देश

भोपाल। प्रदेश में अब लाल मुंह वाले बंदरों को पकड़ा जाएगा। वन विभाग ने इसको लेकर सभी कलेक्टरों और सीईओ को निर्देश जारी कर इस तरह के मामलों में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। वन विभाग ने कहा है कि जिन जिलों में लाल मुंह वाले बंदर आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं वहां उनको पकडने के लिए सभी नगर निगम और स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, ट्रेंड संस्थाओं के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है। कलेक्टरों को भेजे पत्र में कहा है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर बंदर पकडने से संबंधित शिकायतों के मामले आए हैं। जानकारी में आया है कि कुछ जिलों में आमजन को घायल करने और घरों से भोजन सामग्री उठाने की घटनाएं हुई हैं। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों द्वारा ऐसे मामलों में बंदरों को पकडने की शिकायत दर्ज की जाती है। पहले वन विभाग बंदरों को पकड़ता था। लेकिन, 2022 में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में किए गए संशोधन के बाद लाल मुंह के बंदर को अधिनियम की अनुसूची से बाहर कर दिया है। जिसके कारण अब वन विभाग को लाल मुंह वाले बंदरों को पकडने का अधिकार नहीं है। वन विभाग के उपसचिव के पत्र के अनुसार इन हालातों में स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, नगर निगम के माध्यम से आतंक फैलाने वाले लाल मुंह के बंदरों को पकडने के लिए कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए वन विभाग से अनुमति लेने की आवश्यकता भी नहीं है। इसके लिए प्रशिक्षण संस्थाओं की भी मदद ली जा सकती है। इसलिए जहां भी इस तरह की दिक्कत सामने आ रही है वहां के स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, ट्रेंड संस्था के माध्यम से बंदरों को पकडने की कार्यवाही कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी करा सकते हैं।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर केवल जुमार्ना वसूल रहा विभाग

एक साल में 10,956 मामले दर्ज किए गए

भोपाल। मप्र में पिछले एक साल में अवैध उत्खनन व परिवहन के 10,956 मामले दर्ज किए गए। इन पर केवल जुमार्ने की ही कार्रवाई की गई, जबकि अवैध उत्खनन के गंभीर मामलों में सजा का भी प्रविधान है। कई बार उत्खननकर्ता खनिज अधिकारियों या उत्खनन रोकने आए अमले पर जानलेवा हमला करते हैं। विगत वर्ष में भिंड में उत्खनन रोकने गए प्रशिक्षु पुलिस अधिकारी की मौत तक हो चुकी है। मप्र में अवैध उत्खनन के 1565, अवैध परिवहन के 8540 और अवैध भंडारण के 851 मामले दर्ज किए गए। इनसे 83 करोड़ 74 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। अप्रैल 2024 से अब तक दर्ज मामलों में यह स्थिति है। होगी रेत जब्ती की कार्रवाई मप्र में 728 रेत खदानें वैध हैं, तो 200 से अधिक अवैध रेत खदानें भी संचालित हो रही हैं। भोपाल, ग्वालियर, रीवा, सीधी, छतरपुर से शिकायतें मिली हैं कि ठेकेदारों ने अवैध रेत और अनुमति से ज्यादा रेत का भंडार किया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर जहां ज्यादा रेत का भंडारण होगा, वहां रेत जब्त करने के साथ खिलाफ कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया था अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जून 2024 में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद अभियान चलाकर देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगोन, हरदा एवं शहडोल सहित प्रदेशभर में अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग के कुल लगभग 200 प्रकरण दर्ज कर डंपर, पोकलेन मशीन, पनडुब्बी इत्यादि जब्त करने के साथ 1.25 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

पीएचई ने 141 इंजीनियरों को दिया नोटिस

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी, कागजों पर तैयार की गई डीपीआर

ऐसे मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने बढ़ी हुई लागत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था।

भोपाल। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने उन 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने बिना फील्ड विजिट और साइट निरीक्षण किए बंद कमरों में बैठकर योजनाओं की डीपीआर तैयार की। इन इंजीनियरों पर यह आरोप है कि इन्होंने कागजों पर योजनाओं के आकलन में भारी गड़बड़ी की, जिसके चलते योजनाओं की लागत बेवजह बढ़ गई। जांच में पाया गया कि संबंधित इंजीनियरों ने न तो गांवों का दौरा किया और न ही स्थलीय स्थिति का आकलन किया। पूरी डीपीआर केवल कागजों पर तैयार की गई। इसी आधार पर विभाग ने 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस उन इंजीनियरों को भी भेजे गए हैं, जो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने बढ़ी हुई लागत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त 2,813 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी, ताकि करीब सात लाख घरों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य प्रभावित न हो। 19 हजार योजनाओं में से 8,358 में गड़बड़ी प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत 19,000 से अधिक योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया गया था। जांच में सामने आया कि इनमें से 8,358 योजनाओं का आकलन गलत किया गया। डीपीआर में खर्च का अनुमान वास्तविकता से मेल नहीं खा रहा था। अब राज्य सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर अतिरिक्त राशि वहन करने को मंजूरी दी है।

खराब परफार्मेंस वाले अफसरों को बदलेगी सरकार

कलेक्टरों और एसपी की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार

भोपाल। मप्र में सरकार नए सिरे से मैदानी अफसरों की पदस्थापना करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कलेक्टरों और पलिस अधीक्षकों की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार करवाई गई है। सूत्रों का कहना है कि जिन अफसरों की परफार्मेंस खराब है उन्हें हटाया जाएगा और उनकी जगह युवा अफसरों को पदस्थ किया जाएगा। उच्च स्तर पर हुई बैठकों में यह तय किया गया है कि नए और युवा अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा लाई जाए। सूत्रों का कहना है कि प्रदर्शन और कार्यकुशलता को देखते हुए अधिकारियों की पदस्थापना होगी। गौरतलब है कि करीब 7 महीने पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अफसरों से रिजल्ट ओरिएंटेड कार्यशैली अपनाने की अपील की थी।दरअसल, सरकार का फोकस इस बात पर है कि आगामी चुनाव तक प्रदेश में विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाए। इसके लिए सरकार फील्ड में रिजल्ट ओरिएंटेड अफसरों को तैनात करना चाहती है। इसके लिए सरकार जल्द ही बड़े स्तर पर अधिकारियों को इधर-उधर करने की तैयारी में है। इसमें युवा अधिकारियों को नई जिम्मेदारी और खराब परफार्मेंस वाले कलेक्टरों को हटाने की तैयारी है।

बिना आईडी कार्ड साइबर कैफे में नो एंट्री

पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल। बदलते दौर में सामुदायिक सद्भाव और शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए असमाजिक तत्व इंटरनेट मीडिया का सहारा ले रहे हैं। इनके द्वारा फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निरंतर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट की जाती है। लेकिन अब राजधानी भोपाल में ऐसे असमाजिक तत्वों पर लगाम लगाने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जिससे समाज में आपसी टकराव को रोका जा सके। पुलिस आयुक्त के आदेश में साइबर कैफे को लेकर भी एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि भोपाल शहर की सीमा में साइबर कैफे का इस्तेमाल करने के लिए कैफे के मालिक को वैध आईडी कार्ड दिखाना पड़ेगा। तब ही संबंधित व्यक्ति इंटरनेट कैफे का इस्तेमाल कर सकेगा। साइबर कैफे पर आने वाले सभी ग्राहकों की जानकारी एक रजिस्टर में रखनी पड़ेगी। इसमें ग्राहकों के

नाम और पते के साथ उनके मोबाइल नंबर की जानकारी भी होगी। यदि साइबर कैफे संचालक इस नियम को नहीं मानता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साइबर कैफे में वेब कैमरा भी लगवाना पड़ेगा, जिससे ग्राहाकों की आसानी से पहचान की जा सके। दो महीने तक लागू रहेगा आदेश बता दें कि, यह आदेश पुलिस आयुक्त ने केवल दो महीनों के लिए लागू किया है। इस आदेश अथवा इस अवधि में आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना यथास्थिति अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। यह आदेश जन सामान्य के जानमाल की सुरक्षा तथा भविष्य में लोकशांति भंग होने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। तथा इतना समय उपलब्ध नहीं है कि जन सामान्य व इससे सम्बंधित सभी पक्षों को उक्त सूचना की तामीली की जा सके। आदेश से व्यथित व्यक्ति भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। अत्यंत विशेष परिस्थितियों में अधोहस्ताक्षर कर्ता संतुष्ट होने पर आवेदक को किसी भी लागू शर्तों से छूट दे सकेगा। पुलिस आयुक्त के आदेश में यह भी लिखा कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे-फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स, इंस्टाग्राम, हाईक, एसएमएस टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भडकाने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

इटारसी होकर चलेगी तीन जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनें

विशेष किराए के साथ आरक्षण शुरू, यात्रियों को मिलेगी राहत

भोपाल। रेलवे प्रबंधन ने दशहरा-दीवाली पर यात्रियों की भीड़ कम करने विशेष किराये के साथ तीन पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेनें पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल के इटारसी, जबलपुर होकर गुजरेगी। गाड़ी संख्या 05561 रक्सौल-वटवा वीकली 16 सितंबर से 30 दिसंबर प्रत्येक मंगलवार को 11.20 बजे रक्सौल से प्रस्थान कर रात 20 बजे वटवा पहुंचेगी। वापसी में 05562 वटवा-रक्सौल वीकली 17 सितंबर से 31 दिसंबर तक प्रत्येक बुधवार को रात्रि 23.30 बजे वटवा स्टेशन से प्रस्थान कर तीसरे दिन सायं 16 बजे रक्सौल पहुंचेगी। इसी तरह 27 सितंबर से 29 नवंबर तक 03213 दानापुर से प्रत्येक शनिवार को रात 21 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 04.15 बजे हडपसर पहुंचेगी। वापसी में 29 सितंबर से 01 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को 03214 हडपसर से सुबह 06.45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात 19.45 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह 27 सितंबर से 1 नवंबर तक 05325 गोमती नगर से प्रत्येक शनिवार को मध्यरात्रि 00.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 05.50 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

मछली परिवार के भाजपा कनेक्शन को लेकर कॉंग्रेंस फिर हुई हमलावर

भोपाल। एमडी ड्रग्स, अवैध कब्जे, मारपीट, अड़ीबाजी, दुष्कर्म सहित अन्य धर्म की युवतियों पर धर्मांतरण के लिये दबाव बनाने के मामलो में बुरी तरह फंसे मछली परिवार को बचाने के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी)के सदस्य प्रियंक कानूनगो के घर पहुंचे जैनेन्द्र पाठक को लेकर पूर्व मंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर कमलेश्वर पटेल ने भाजपा नेताओ पर हमला कर चौकाने वाले खुलासे किये है। इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जैनेन्द्र पाठक की बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ तस्वीरें शेयर कर भाजपा नेताओ पर हमला बोला है। कमलेश्वर ने पाठक की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ जैनेन्द्र पाठक की फोटो शेयर की हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा है की मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो जी ने ट्वीट किया कि मध्य प्रदेश निवासी जैनेंद्र पाठक उनसे मिलने उनके दिल्ली आवास पर पहुंचा और ड्रग्स, रेप, लव जिहाद जैसे गंभीर आरोपों में फंसे ह्यमछलीह्न को छोड़ देने की सिफारिश कर रहा था। कमलेश्वर ने आगे लिखा- जैनेंद्र पाठक की पूरे देश में भाजपा नेताओं के साथ गहरी नजदीकी है। गृह मंत्री अमित शाह से लेकर असम, मध्य प्रदेश और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों तक के साथ उनकी तस्वीरें मौजूद हैं। भाजपा नेताओ का करीबी मानवाधिकार आयोग में मिठाई और सिफारिशें लेकर कुख्यात आरोपी मछली को बचाने पहुंचता है। क्या यही है भाजपा का दोहरा चरित्र। यही नहीं वो खुद कह रहा है कि मछली उसका बिजनेस पार्टनर भी है।

जीएसटी की दरों में कमी तथा आमजन को राहत पहुंचाने पर प्रधानमंत्री और जीएसटी काउंसिल का कदम स्वागत योग्य –तोमर

बहुत अधिक तापमान वाला (यूएचटी) दूध, पहले से पैक और लेबल वाला छेना या पनीर पर जीएसटी 5प्रति. से घटाकर शून्य कर दिया गया है; सभी भारतीय ब्रेड (चपाती, पराठा, परोटा आदि) पर भी जीएसटी हटा दिया गया है।

भोपाल। आज विधान सभा में मीडिया से चर्चा करते हुए विधान सभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की 140 करोड़ आबादी के हित में, गांव, गरीब , किसान और आमजन को राहत पहुंचाने के लिए जीएसटी दरों को 4 की जगह सिर्फ 2 स्लैब में करने का अत्यंत सराहनीय और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हम सभी प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हैं।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को लाल किले की प्राचीर से की थी, एक ऐतिहासिक कर ढांचे के रणनीतिक, सैद्धांतिक और नागरिक-केंद्रित विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो सभी नागरिकों के जीवन के स्तर को बेहतर बनाएंगे।

जहां 12 फीसदी और 28 प्रतिशत वाले टेक्स स्लैब को खत्म कर दिया गया है, वहीं 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत स्लैब्स में इन वस्तुओं को रखने से निश्चित रूप से आवश्यक वस्तुओं के दामों में कमी आएगी। वहीं, 40 फीसदी का एक नया टैक्स ढांचा बनाया गया है।

हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य करने का कदम ऐतिहासिक है, इससे आम आदमी स्वास्थ्य बीमा करा कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ ले सकेगा।

पनीर, छेना, टेट्रापैक दूध, रोटी, चपाती पराठा, खाकरा जैसी आम लोगों से जुड़ी खाद्य वस्तुओं, दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाओं पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

आम आदमी की कई वस्तुएं जैसे हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप बार, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर, अन्य घरेलू सामान आदि पर जीएसटी 18% या 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

बहुत अधिक तापमान वाला (यूएचटी) दूध, पहले से पैक और लेबल वाला छेना या पनीर पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है; सभी भारतीय ब्रेड (चपाती, पराठा, परोटा आदि) पर भी जीएसटी हटा दिया गया है

लगभग सभी खाद्य पदार्थों जैसे पैकेज्ड नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी आदि पर जीएसटी 12% या 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

नई जीएसटी दरों में किसानों को बहुत बड़ी राहत मिली है।कृषि वस्तुओं, मिट्टी तैयार करने या जुताई के लिए ट्रैक्टर, कृषि, बागवानी या वानिकी मशीनरी, कटाई या थ्रेसिंग मशीनरी, जिसमें पुआल या चारा बेलर, घास काटने की मशीन, कंपोस्ट मशीन आदि शामिल हैं, पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है जो कि स्वागत योग्य है, आमजन को इस राहत के लिए तोमर ने माननीय प्रधानमंत्री और जीएसटी काउंसिल को बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

लीमा में इंडोनेशियाई राजदूत की हत्या की जांच तेज

लीमा, एजेंसी। पेरू के अधिकारियों ने इंडोनेशियाई राजनयिक की गोली मारकर हत्या की जांच शुरू कर दी है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित इंडोनेशियाई दूतावास में कार्यरत 40 वर्षीय ज़ेट्रो लियोनार्डो पुर्बा को सोमवार रात तीन गोलियां मारी गईं, जब वह साइकिल से अपने अपार्टमेंट की इमारत की ओर जा रहे थे। उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारियों ने गोलीबारी का कारण तुरंत नहीं बताया। गृह मंत्री कार्लोस मालावर ने सांसदों को बताया कि यह सुनियोजित हत्या थी। पुलिस ने दो सीसीटीवी फुटेज जारी की है जिसमें हेलमेट पहने एक व्यक्ति राजनयिक पर दो बार गोली चलाता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसके बाद राजनयिक ज़मीन पर गिर जाते हैं। तस्वीरों में संदिग्ध व्यक्ति राजनयिक पर तीसरी बार गोली चलाता हुआ और एक अन्य व्यक्ति द्वारा चलाई जा रही मोटरसाइकिल पर भागता हुआ दिखाई दे रहा है पेरू के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस हत्या की गहन जांच की जाएगी और इंडोनेशिया के राजदूत और दूतावास के कर्मचारियों को सभी आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

अमेरिका की व्योमिंग पहाड़ियों में विमान दुघर्टनाग्रस्त, लड़की की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की उत्तरी व्योमिंग के पहाड़ों में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। उसके तीन रिश्तेदार घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एक चिकित्सा सेवा हेलीकॉप्टर ने विमान का मलबा देखा। दुर्घटना सोमवार दोपहर बाद बिग माउंटेन क्षेत्र में हुई। मेडिकल हेलीकॉप्टर ने गिरे हुए विमान को देखा। शेरिडन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि बचाव दल ने पास के राजमार्ग यूएस 14 के पास एक पार्किंग स्थल पर एक कमांड पोस्ट स्थापित किया। घटनास्थल पर पहुंचे बचावकर्मियों ने लड़की को मृत पाया। उसके तीन रिश्तेदारों 11 वर्षीय लड़का, 53 वर्षीय महिला और 54 वर्षीय पुरुष को गंभीर रूप से घायल पाया।

चीन से अकेले नहीं लड़ा जा सकता, भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। टैरिफ को लेकर भारत से बिगड़ते रिश्तों पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने चिंता जाहिर की है। पूर्व अमेरिकी सलाहकार मैरी किसेल ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का अकेले मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने अमेरिका के साथ साझेदारी में भारत की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत के समर्थन की जरूरत है। एक साक्षात्कार के दौरान पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ की वरिष्ठ सलाहकार रहीं किसेल ने दोनों देशों के बीच आर्थिक तनाव के बीच मजबूत भारत-अमेरिका साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर हम चीन को अमेरिका और अपनी जीवनशैली के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने के बारे में वाकई गंभीर हैं, तो हमें भारत की जरूरत है। यह एक सच्चाई है। हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उनसे अकेले नहीं लड़ सकते। किसेल ने बताया कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की भागीदारी चीन की मुखरता से निपटने में ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश कर सकती है। हमें न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, न सिर्फ जापान में अपने दोस्तों, बल्कि भारत के भी सहयोग की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह बैठक ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती को उजागर कर रही है। हाल ही में चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता दी। पुतिन के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, पीएम मोदी ने भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया।

चीन के उदय को कोई नहीं रोक सकता

किम-पुतिन संग मंच साझा कर जिनपिंग की यूएस को चेतावनी

बीजिंग, एजेंसी।
चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश देते हुए कहा कि चीन कभी किसी दबाव में नहीं आता और न ही किसी से डरता है। चीन का उदय अब कोई नहीं रोक सकता। यह बयान उन्होंने बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मंच साझा करते हुए दिया।

तियानानमेन स्क्वायर में 50,000 से ज्यादा लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए शी ने चेतावनी दी, आज दुनिया शांति या युद्ध, बातचीत या टकराव और साझा जीत या जीरो-सम गेम के बीच चुनाव के मोड़ पर खड़ी है। जीरो-सम गेम का मतलब- एक पक्ष को जितना फायदा होता है, दूसरे पक्ष को उतना ही नुकसान होता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के लोग इतिहास के सही पक्ष में मजबूती से खड़े हैं।

लिमोजीन (खुले टॉप वाली कार) में सवार होकर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के नेता जिनपिंग ने सैन्य टुकड़ियों और मिसाइल, टैंक और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। आसमान में हेलिकॉप्टर्स ने बैनर लहराए और लड़ाकू विमानों ने शानदार उड़ानें भरीं। करीब सत्तर मिनट तक चले इस प्रदर्शन का समापन 80 हजार सफेद कबूतरों और रंग-बिरंगे गुब्बारों की उड़ान के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक विदेशी नेता शामिल हुए, जो अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच चीन से करीबी संबंध बनाना चाहते हैं। इस समारोह में सबसे ज्यादा नजर पुतिन, किम जोंग उन और ईरान के राष्ट्रपति पर थी। समारोह की शुरुआत में शी जिनपिंग के साथ पुतिन और किम दोनों की मौजूदगी ने अमेरिका के नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था को सीधी चुनौती देने का संकेत दिया। सैन्य परेड में दस हजार से अधिक सैनिक और सैकड़ों आधुनिक हथियार शामिल थे, जिसके जरिए शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और आधुनिकीकरण अभियान को दिखाया इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर निशाना साधते हुए शी जिनपिंग, पुतिन और किम पर अमेरिका के खिलाफ साजिश करने का आरोप लगाया।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने चीन की आजादी के लिए जो खून-पसीना बहाया, उसे शी जिनपिंग कभी याद करेंगे या नहीं? कई अमेरिकियों ने चीन की जीत और गौरव के लिए अपनी जान दी थी।

हम आपके सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भूलेंगे किम जोंग उन से मिलकर बोले पुतिन?

बीजिंग , एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन्होंने यूक्रेनी घुसपैठ से कुर्स्क क्षेत्र की रक्षा में मॉस्को की सेना की मदद की। पुतिन ने यह बयान बुधवार को चीन में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ एक बैठक के दौरान दिया। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह के बाद, पुतिन और किम बीजिंग के दियाओयुताई राजकीय अतिथि गृह में द्विपक्षीय वार्ता के लिए बैठे। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने किम से कहा, मैं यह बताना चाहूंगा कि आपके सैनिकों ने साहस और वीरता से लड़ाई लड़ी। हम आपके सैनिकों और उनके परिवारों द्वारा दिए गए बलिदानों को कभी नहीं भूलेंगे। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पुतिन और किम औपचारिक स्वागत समारोह से लेकर वार्ता स्थल तक एक ही कार में सवार होकर गए। पत्रकारों से बातचीत में पुतिन ने उत्तर कोरियाई सैनिकों की बहादुरी और वीरता की प्रशंसा की। दक्षिण कोरियाई आकलन के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पिछले वर्ष से अब तक रूस में लगभग 15,000 सैनिक भेजे हैं। उसने पुतिन के यूक्रेन में तीन साल से जारी युद्ध में मदद देने के लिए बैलिस्टिक मिसाइलों और तोपों सहित बड़ी संख्या में सैन्य उपकरण भी भेजे हैं। अपने प्रारंभिक भाषण में किम ने कहा कि पिछले वर्ष जून में उत्तर कोरियाई राजधानी में एक बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से प्योंगयांग और मॉस्को के बीच सहयोग 'काफी मजबूत' हुआ है। हालांकि, उन्होंने युद्ध का विशेष उल्लेख नहीं किया लेकिन किम ने इस बात पर जोर दिया कि यदि मैं आपके और रूस के लोगों के लिए कुछ कर सकता हूं, यदि और कुछ करने की आवश्यकता है, तो मैं इसे एक भाईचारे का कर्तव्य, एक दायित्व मानूंगा जिसे हमें निश्चित रूप से निभाना होगा और मैं आपकी मदद करने के वास्ते हरसंभव प्रयास करने के लिए तैयार रहूंगा।

पुतिन के सामने फिर इयरफोन नहीं लगा पाए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, रूसी राष्ट्रपति ने सिखाया

तियानजिन , एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच मुलाकात का वीडियो एक बार फिर से वायरल है। पुतिन से बात करते वक्त शरीफ अपना इयरफोन ठीक से नहीं लगा पाए।

यह वाकया मंगलवार को बीजिंग में पुतिन से मुलाकात के दौरान हुआ। उन्होंने शरीफ को इयरफोन पहनने का तरीका समझाने की कोशिश की। इस दौरान वे मुस्कुराते भी नजर आए।

इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें शहबाज शरीफ के कानों से ट्रांसलेशन इयरफोन बार-बार फिसल रहा है, वह उनसे लग नहीं पा रहा। इसके बाद, पुतिन अपना हेडसेट उठाकर उन्हें पहनने का तरीका दिखाने की कोशिश करते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब शरीफ, पुतिन के सामने इयरफोन नहीं पहन पाए। ठीक 3 साल पहले भी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन समिट के दौरान ही ऐसा हुआ था। साल 2022 में उज्बेकिस्तान में स्ट्र्ह समिट से इतर रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ शरीफ द्विपक्षीय बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्हें अपने इयरफोन को एडजस्ट करने में दिक्कत आ रही थी। जब चर्चा शुरू हुई तो उनका हेडफोन बार-बार फिसल रहा था। हालांकि, इसे ठीक करने की कोशिश की गई लेकिन ये समस्या कुछ समय तक बनी रही, शहबाज के साथ दिक्कतों को देखकर पुतिन को हंसी आ गई थी। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान भारत और रूस के रिश्तों का सम्मान करता है।

फिर दहला पाकिस्तान, रैली में गए 14 लोग मरे, बलूचिस्तान में हमलावर ने खुद को उड़ा लिया

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बीएनपी यानी बलूचिस्तान नेशनल पार्टी द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता के दुश्मनों द्वारा किया गया कायराना कृत्य बताया।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है।

'द डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ। हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे।

'डॉन' के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद

खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई।

हालांकि, प्रांतीय असेंबली (एमपीए) के पूर्व बीएनपी सदस्य मीर अहमद नवाज बलूच और पार्टी के केंद्रीय श्रम सचिव मूसा जान सहित कई पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक घायल हो गए। बीएनपी प्रमुख मेंगल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुष्टि की कि वह सुरक्षित हैं, लेकिन अपने कार्यकर्ताओं की मौत से बेहद दुखी हैं। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में 15 बीएनपी कार्यकर्ताओं की जान चली गई। विस्फोट के बाद एक विशेष जांच समिति का गठन किया गया है और क्वेटा और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब तक किसी भी समूह ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए

आगे आए फ्रांस और सऊदी अरब

पेरिस, एजेंसी। इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष विराम के लिए फ्रांस और सऊदी अरब आगे आए हैं। दोनों देश 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में इस्राइल-फलस्तीनी संघर्ष के द्वि-राज्य समाधान पर एक हाई-प्रोफाइल सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। सम्मेलन उद्देश्य क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना है। वहीं फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका से फलस्तीन अधिकारियों को वीजा देने से इनकार करने के फैसले को वापस लेने की मांग की।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मैंने अभी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से बात की है। हम दोनों मिलकर 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में द्वि-राज्य समाधान पर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि फलस्तीनी अधिकारियों को वीजा न देने का अमेरिकी फैसला अस्वीकार्य है। हम इस फैसले को वापस लेने और अमेरिका के समझौते के अनुसार फलस्तीनी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग करते हैं। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है। द्वि-राज्य समाधान के लिए व्यापकतम अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाना। मैक्रों ने सम्मेलन की प्रमुख प्राथमिकताएं भी बताईं। उन्होंने कहा कि इसमें स्थायी युद्धविराम लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा पट्टी में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती शामिल है। उन्होंने शांति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसमें हमास को निरस्त्र करना और उसे गाजा के शासन से बाहर करना, फलस्तीनी प्राधिकरण में सुधार और उसे मजबूत करना और गाजा पट्टी का पूर्ण पुनर्निर्माण शामिल है। युद्धविराम लागू करना, सभी बंधकों की रिहाई, गाजा के लोगों को बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाना और गाजा में एक स्थिरीकरण मिशन की तैनाती आवश्यक होगी। हम यह भी सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि अगले दिन हमास को निरस्त्र कर दिया जाए।

ऐसे लोगों पर नहीं लागू कर सकते कानून

एलियन एनिमीज एक्ट 1798 के इस्तेमाल पर ट्रंप को संघीय अदालत से झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को करारा झटका दिया है। एलियन एनमीज एक्ट, 1798 के इस्तेमाल के मामले में संघीय अपील अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। इसमें अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून एलियन एनमीज एक्ट, 1798 का इस्तेमाल उन लोगों को तेजी से निर्वासित करने के लिए नहीं कर सकते जिन्हें उनकी सरकार वेनेजुएला के आपराधिक गिरोह का सदस्य बताती है। अमेरिका की 5वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने 2-1 के फैसले में निचली अदालतों और आप्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं की दलील से सहमति जताई। अदालत ने कहा कि यह कानून केवल युद्धकाल में दुश्मन देशों के नागरिकों के खिलाफ लागू करने के लिए बना था, न कि आपराधिक संगठनों जैसे ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ इस्तेमाल के लिए। बता दें कि ट्रेन डे अरागुआ के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने मार्च में कार्रवाई शुरू की थी। ट्रंप प्रशासन ने ट्रेन डे अरागुआ से जुड़े लोगों को निर्वासित कर अल सल्वाडोर की कुख्यात जेल में भेज दिया था और दलील दी थी कि अमेरिकी अदालतें उन्हें वहां से रिहा करने का आदेश नहीं दे सकतीं। अदालत का यह फैसला तब आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ समेत अपने कई फैसलों को लेकर आलोचनाएं झेल रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की आव्रजन नीति के लिए यह फैसला बड़ा झटका माना जा रहा है। अब यह मामला अंतिम रूप से अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में जाएगा, जहां इसका निपटारा होगा।

इस्राइली हमले के बाद यमन में हूती-विद्रोहियों ने की यूएन के दफ्तरों में छापेमारी

सना , एजेंसी।
यमन की राजधानी सना में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दफ्तरों पर हूती विद्रोहियों की ओर से की गई छापेमारी में 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। यह संख्या पहले बताई गई संख्या से ज्यादा है। यूएन ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को जानकारी दी कि हिरासत में लिए गए 19 लोगों में से 18 यमनी नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को तुरंत रिहा करने की अपील की। ये छापेमारी रविवार को एजेंसी के उन दफ्तरों पर की गई, जो खाने-पीने, स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़ी सेवाएं देती हैं। यह कार्रवाई इस्राइल के उस हवाई हमले के बाद की गई, जिसमें हूती प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और कई कैबिनेट मंत्रियों की हत्या कर दी गई थी।

शांति वार्ताओं की उम्मीदें तब खत्म हो गईं, जब सात अक्तूबर 2023 को हमास ने दक्षिण इस्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्राइल ने

गाजा पर युद्ध छेड़ दिया। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने गाजा के फलस्तीनी के समर्थन में लाल सागर में जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इसके जवाब में अमेरिका और इस्राइल ने यमन के हूती-नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। नियंत्रित इलाकों में काम कर रहे राजनयिकों पर यह ताजा कार्रवाई हूती विद्रोहियों पर दबाव की रणनीति मानी जा रही है। दुजारिक ने कहा बताया कि इससे पहले भी हूती विद्रोही 23 यूएन कर्मचारियों को हिरासत में ले चुके हैं।

ट्रम्प बोले- भारत का अमेरिका से एकतरफा रिश्ता

वे हमसे व्यापार कर रहे थे, क्योंकि हमने चार्ज नहीं वसूला, ट्रम्प का दावा- भारत 0 प्रतिशत टैरिफ करने को तैयार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि लंबे समय तक दोनों देशों के बीच 'एकतरफा रिश्ता' था। एक प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने कहा कि भारत, अमेरिकी सामानों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह से अमेरिका और भारत के व्यापार में असंतुलन पैदा हो गया है।

ट्रम्प ने उदाहरण देते हुए बताया कि अमेरिकी कंपनी हार्ले डेविडसन भारत में मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि भारत ने 200प्रतिशत टैरिफ लगाया हुआ था। इस वजह से कंपनी ने भारत में ही एक प्लांट बनाया, जिससे अब उसे टैरिफ नहीं देना पड़ता। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 50प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद आर्थिक तनाव बढ़ा है और इसके साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत को 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ झेलना पड़ रहा है।ट्रम्प ने फिर से अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए इसे 'जंग सुलझाने वाला हथियार' बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति की वजह से अमेरिका को 'बातचीत की बेहतरीन ताकत' मिलती है। ट्रम्प ने टैरिफ को बातचीत के लिए एक जादुई हथियार कहा और दावा किया इसके जरिए उन्होंने 7 जंग रोकी हैं। ट्रम्प ने बाइडेन प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया की रीढ़ है और उनके पहले चार सालों में उन्होंने इसे बेहद मजबूत बनाया था, लेकिन बाइडेन प्रशासन ने इसे कमजोर कर दिया, लेकिन अब उनकी टैरिफ

नीति से अमेरिका आर्थिक रूप से सबसे ताकतवर बन गया है। ट्रम्प ने दावा किया कि ज्यादा टैरिफ की वजह से कई कंपनियां अमेरिका के बाहर उत्पादन करती हैं। लेकिन उनकी नीतियों की वजह से हालात बदल रहे हैं और अब हजारों कंपनियां अमेरिका में आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई कार कंपनियां चीन, मेक्सिको और कनाडा से आकर अमेरिका में फैक्ट्री बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे 3 बड़ी वजहें हैं। कंपनियां अमेरिका में रहना चाहती हैं, टैरिफ उन्हें सुरक्षा देते हैं और यहां निर्माण करने से उन्हें एक्स्ट्रा टैक्स नहीं देना पड़ता। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अमेरिका के लिए फायदेमंद है और यही वजह है कि उन्होंने भारत पर कड़ा टैरिफ लगाया। ट्रम्प ने यह भी साफ कर दिया कि वे भारत पर लगाए गए टैरिफ कम करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ट्रम्प ने पहले भारत के निर्यात पर 25प्रतिशत शुल्क लगाया था, लेकिन इसे बढ़ाकर 50प्रतिशत कर दिया गया। इसका असर अमेरिका को भेजे जाने वाले भारत के 55प्रतिशत से ज्यादा सामान पर पड़ा।

भगवान् श्री अग्रसेन जी महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 18वीं महाआरती सोमवार को

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्री अग्रसेन महाराज और कुलदेवी माता लक्ष्मी की महाआरती चैत्र नवरात्र 2024 से प्रारंभ की गई थी। जो कि महीने के प्रथम रविवार को अग्रसेन वाटिका, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में आयोजित की जा रही है। अभी तक सतरह महाआरती सम्पन्न हो चुकी है।

अठारवीं महाआरती सोमवार 8 सितंबर 2025 को सायं 6 बजे होगी। जिसकी जजमानी स्वास्ति-दिनेश अग्रवाल (शुभम डेवलपर्स एवं श्री प्रभाकर डेवलपर्स) भोपाल द्वारा की जा रही है। मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता एवं विनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार रविवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण आरती सोमवार को की जा रही है। भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के करुणामीय स्वभाव, एक ईंट-एक रूपया से समाजवाद के प्रथम प्रणेता, युग पुरुष, महादानी एवं राम राज्य के समर्थक के सिद्धांतों को अपनाकर एवं समाज के कल्याण की भावना के साथ ही बच्चों को भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से महाआरती का आयोजन निरंतर किया जा रहा है।

समस्त अग्रबंधुओ से निवेदन है कि सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

श्रीमान संपादक महोदय जी उक्त समाचार को अपने प्रतिष्ठित समाचार पत्र में प्रकाशित किए जाने का अनुरोध है।

महिला सखियों को जैविक खाद व जैविक खेती निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

ऐसी खेती कीजिए, खाद रसायन दूर, खेत बचे, जीवन बचे, खाद रहें भरपूर

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

ऐसी खेती कीजिए, खाद रसायन दूर
खेत बचे, जीवन बचे, खाद रहें भरपूर

इस मूलमंत्र के साथ हम? लोग शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से नरसिंहपुर जिले के ग्राम लिंगा, रायपानी, बितली एवं पिपरिया में महिला सखियों विशेषकर अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को गौवंश आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती का 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पारंपरिक कृषि के साथ - साथ आधुनिक, टिकाऊ व पर्यावरण सम्मत खेती के तरीकों से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैविक कृषि विशेषज्ञ सचिन पटेल व लेखराम भण्डारी द्वारा जैविक खेती के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्होंने केंचुआ खाद, बीजोपचार में बीज की कोई प्रक्रिया उक्ठा जैसे रोग से बचाने के संबंध में विस्तार से बताया।? जीवामृत, अग्नि अस्त्र पर विभिन्न प्रकार के कीटों को नियंत्रण करना जैसे जैविक संसाधनों के उपयोग और निर्माण की विधियों को समझाने के साथ ही मृदा परीक्षण पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान कर, जैविक खाद के प्रयोग से कैसे उर्वरक शक्ति को बढ़ाया जाए इसकी भी जानकारी प्रदान की गयी।

प्रशिक्षण प्रदान कर रहे कृषि विशेषज्ञ सचिन पटेल ने बताया कि गौवंश आधारित प्राकृतिक खेती न केवल मृदा की उर्वरता बढ़ाती हैं बल्कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है विशेषकर महिलाओं के लिए यह खेती स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन सकती हैं।

इस अवसर पर संस्था की रजनी विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में उन महिलाओं का चयन कर कृषि सखी बनाया गया है जिनके पास खेती हेतु कुछ भूमि हों और वह स्वयं अपने खेतों में जैविक खेती करने हेतु सहमत हैं। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं के समूह का गठन कर इन महिलाओं को जैविक उत्पाद, जैविक खाद और जैविक कीटनाशक बनाने के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। जिसके अंतर्गत इनको जीवामृत,घनजीवामृत, नीमास्त्र एवं अन्य जैविक उत्पाद तैयार कर किसानों को विक्रय करने के संबंध में विस्तार से बताया गया तथा सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इसी के साथ उनको जैविक फल एवं सब्जियों के उत्पादन पर भी विशेष ध्यान देने एवं भविष्य में जैविक उत्पादों की प्रोसेसिंग हेतु जिले में ही व्यवस्था करनी की दिशा में संस्था द्वारा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए नरसिंहपुर जिले में जैविक खेती के क्षेत्र में अच्छी संभावनाओं को देखते हुए सभी से परिणाम मूलक कार्य करने और इस प्रशिक्षण से आगे बढ़ कर सार्थक परिणाम लाने का प्रयास करने का आव्हान किया।

निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल, नप्र। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व अन्य सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए सड़कों, फुटपाथों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर दुकानों के बाहर रखा सामान के अलावा अवैध रूप से बनाये गये चबूतरे, स्लेब आदि को हटाया साथ ही सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर आदि में अतिक्रमण कर लगाई गई दुकानें, गुमठी, ठेले, काउंटर सहित अन्य प्रकार के अतिक्रमणों को हटाते हुए ठेले, गुमठी, स्टैण्ड बोर्ड, स्टूल, कांटे, बेंच, कुर्सी सहित अन्य प्रकार का सामान जप्त किया। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को कोलार रोड, सर्वधर्म कालोनी, जेके अस्पताल, भारतमाता चौराहा, भदभदा, सैरसपाटा, जवाहर चौक, लिंक रोड नं. 01,02 व 03, न्यू मार्केट, रंगमहल, 1100 क्वाटर्स, एम.पी.नगर, बोर्ड आफिस, बोट क्लब, नूरमहल, परी पार्क, गोलघर, डीआईजी बंगला, नरेला जोड़, अयोध्या बायपास, मिनाट गेट नं.01, जेके रोड, आनंद नगर, अशोका गार्डन, द्वारका नगर, सेमरा, सुभाष कालोनी, इब्राहिमगंज आदि क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दुकानों के बाहर रखा सामान, सब्जी की दुकान, ठेले, गुमठी आदि सहित विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटवाया। निगम अमले ने इब्राहिमगंज रोड से 01 कबाड़ी की दुकान, नूरमहल से दुकान के बाहर लगी चादर को हटाते हुए द्वारका नगर में घर के बाहर अवैध रूप से बनें चबूतरों को तोड़ा, अशोका गार्डन सुभाष कालोनी में 20 मकानों के बाहर अवैध स्लेब, सैर सपाटा क्षेत्र से ठेले, लूज सामान सहित लगभग 03 ट्रक सामान जप्त भी किया। इसके अलावा 12 ठेले, 03 गुमठी, 08 स्टैण्ड बोर्ड, 12 स्टूल, लूज पन्नी, 04 कांटे, 01 बेंच, 01 फायबर कुर्सी सहित विभिन्न प्रकार का लूज सामान जप्त किया।

वीर तेजाजी के बलिदान दिवस पर भोपाल में जाट समाज ने दी श्रद्धांजलि

भोपाल, नप्र। वीर शिरोमणि तेजाजी महाराज के बलिदान दिवस के अवसर पर वीर तेजाजी नगर भोजपुर चौराहे के पास जाट समाज द्वारा एक भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह जानकारी हरि नारायण जाट माली ने दी उन्होंने बताया कि समाज के सैकड़ों लोगों ने वीर तेजाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके बताए हुए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने वीर तेजाजी की महान गाथा, उनके साहस, सेवा और समाज के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि आज के समय में उनके जीवन मूल्यों को अपनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में युवाओं की भी बड़ी भागीदारी रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि नई पीढ़ी भी अपने गौरवशाली इतिहास को जानने और अपनाने के लिए तत्पर है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में वीर तेजाजी के पदचिन्हों पर चलने तथा समाज की एकता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रीमती माया नारोलिया सांसद राज्यसभा, बी.एस. ढाका अध्यक्ष संत तेजाजी गृह निर्माण सहकारी समिति भोपाल, संतोष ठाकुर पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल, विकास नारोलिया मोहनलाल गोदारा पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल, श्रीमती अयोध्या गोदारा पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल, हरनारायण जाट माली पूर्व अध्यक्ष जाट सभा भोपाल छोटू की बेड़ा मोहनलाल गोदाराआदि मौजूद थे।

आबकारी विभाग ने रानी कमलापति स्टेशन से सूटकेश से बरामद की 27 बोतल विदेशी मदिरा

भोपाल, नप्र। कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के मार्गदर्शन और नियंत्रण कक्ष प्रभारी राम गोपाल भदौरिया के नेतृत्व में भोपाल जिले की आबकारी विभाग की पहली टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर बरखेड़ा पठानी भोपाल में प्रभावी कार्यवाही करते हुए 27.75 बल्क लीटर अवैध विदेशी मदिरा संग्रहण का प्रकरण दर्ज किया। टीम ने मदिरा के अवैध संग्रहण एवं विक्रय की सूचना पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए बरखेड़ा पठानी से अजय पासवान आत्मज रामभरोसे पासवान उम्र 28 वर्ष निवासी मकान नंबर 102 कृष्णा नगर बरखेड़ा पठानी भोपाल के अधिपत्य में रहवासी घर से ऑफिसर चॉइस 19 बोतल ,रॉयल चैलेंज 05 बोतल रॉयल स्टैग 07,बोतल ओल्ड मंक रम 6 बोतल बरामद की। इस तरह कुल 37 बोतल में भरी 27.75 बल्क लीटर अवैध विदेशी मदिरा बरामद की। वही दूसरी टीम ने बरखेड़ा सालम में जीतमल आत्मज लक्ष्मण सिंह के कब्जे से 27 पाव पावर विदेशी मदिरा और भौरी बायपास से दीपक आत्मज चंद्र सिंह प्रजापति के घर से 17 पाव देशी विदेशी मदिरा बरामद की। साथ ही अन्य प्रभावी कार्यवाही में रानी कमलापति स्टेशन से 2 सूटकेस में भरी 27 बोतल रॉयल चैलेंज, ऑफिसर चॉइस व्हिस्की और ओल्डमोंक रम ब्रांड की अवैध मदिरा बरामद की। यहां अज्ञात आरोपी भीड़ का फायदा उठा कर सूट केस छोडकर भाग गया। आरोपी गण अजय आत्मज राम भरोसे, जीतमल आत्मज लक्ष्मण, दीपक आत्मज चन्दर सिंह प्रजापति और अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915की धारा 34(1)क के अंतर्गत प्रकरण क़ायम किए गये द्ब आरोपीयों को शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। जब्तअवैध मदिरा की कुल मात्रा 56 बल्क लीटर और कीमत 60000 रुपये लगभग है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी सुरेन्द्र देवांगन और आबकारी उपनिरीक्षक स्वातिबघेल द्वारा की गईद्ब कार्यवाही के दौरान पूरा मैदानी जिला आबकारी अमला मौजूद रहा।

दिनचर्या में सुधार ही, अच्छे स्वास्थ्य की ओर पहला कदम है : डॉ रमेश टेवानी

भोपाल, नप्र। परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय संत सिद्ध भाऊ जी के मार्गदर्शन में संचालित संत हिरदाराम योगा एवं नेचर क्योर हॉस्पिटल (आरोग्य केन्द्र) एनएबीएच एक्रेडिटेड हॉस्पिटल व केन्द्रीय कर्मचारियों (कार्ड होल्डर्स) के उपचार हेतु अधिकृत किया गया है।आरोग्य केन्द्र द्वारा दिनांक 25अगस्त से 03सितम्बरतक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया हैं जिसका भव्य अनुभव समारोह डॉ. रमेश टेवानी की पावन उपस्थिति में दिनांक 02 सितम्बरको आयोजित किया गया। इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से संत हिरदाराम नगर में पधारे साधकगण जिसमे से मध्यप्रदेश से 29, छत्तीसगढ़ से 8, महाराष्ट्र से 8, दिल्ली से 7, उत्तराखण्ड से 2, उत्तरप्रदेश से 7, हरियाणा से 2,राजस्थान से 5,गुजरात से 4,पंजाब से 4,सिक्कम से 1,बिहार से 4,तेंलगाना से 2,कर्नाटक से 1,वेस्ट बंगाल से 3 कुल 88 साधकगणों ने भाग लिया। इस शिविर में विभिन्न प्रकार की बीमारियों का उपचार किया जाता हैं जैसे- डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइटि्स, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर। आरोग्य केन्द्र मे शिविर में निम्नलिखित गतिविधियां प्रदान की जाती हैं:- प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला। डॉ. रमेश टेवानी जी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य हैं:- कि कैसे आहार को औषधि बनाया जाए, ना कि औषधि को आहार बनाए।केन्द्र पर संत जी का आशीर्वाद हैं कि जो भी इस स्थान की मिट्टी अपने तन पर लगाएंगे उनके सारे रोग मिट जाएंगे। आपने स्वयं अनुभव किया हैं यदि सदैव स्वस्थ रहना हैं और स्थायी स्वास्थ्य लाभ लेना हैं तो प्राकृतिक चिकित्सा के अलावा दूसरा कोई मार्ग नहीं हैं। जब आप प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाते हैं तो आप जीवन में सदैव के लिए निरोग हो जाते हैं और जीवन में कभी रोग नहीं आता हैं। जब भी आहार का ग्रहण करें तो आपके मन में यह विचार होना चाहिए कि क्या यह आहार स्वास्थ्यवर्धक हैं या नहीं?अभी तक आप अनियमित दिनचर्या अपना रहे थे, लेकिन अब आपकी दिनचर्या में परिवर्तन कर दिया गया हैं जो कि आपने स्वयं महसूस किया हैं तभी आपके मन में पूर्ण विष्वास आया कि मैं स्वस्थ हो सकता हूँ और स्वस्थ ही रहूँगा। इस शिविर में शरीर शुद्धिकरण के साथ-साथ विचारों का भी शुद्धिकरण किया गया हैं, हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि हम स्वस्थ है और हमेशा स्वस्थ रहेंगें।

किलकारी और मोबाइल अकादमी से सही समय पर सही जानकारी और प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा को किया है सशक्तः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि किलकारी और मोबाइल अकादमी ने यह सिद्ध किया है कि सही समय पर सही जानकारी और प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को नई दिशा दे सकती हैं। यह पहल मध्यप्रदेश को स्वस्थ, सशक्त और सुरक्षित भविष्य की ओर अग्रसर कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की अध्यक्षता में होटल एमपीटी पलाश भोपाल में राज्य स्तरीय मोबाइल अकादमी एवं किलकारी कार्यक्रम की कार्यशाला आयोजित हुई। अपर मिशन संचालक श्री मनोज सरियाम और आशा कार्यक्रम के संयुक्त संचालक डॉ. राकेश बोहरे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) एवं मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में सुधार के लिए सशक्त प्रयास कर रहा है। ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि मातृ मृत्यु दर को 80 तथा शिशु मृत्यु दर को 20 तक लाया जाये। इस दिशा में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें निरंतर प्रशिक्षण, अद्यतन जानकारी तथा तकनीकी साधनों से सशक्त करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन ने देश में स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटलीकरण की दिशा में नई ऊर्जा और दृष्टि प्रदान की है। इसी परिप्रेक्ष्य में 15 जनवरी 2016 को तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा द्वारा मोबाइल अकादमी एवं किलकारी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। विगत दस वर्षों की सफल यात्रा में इन कार्यक्रमों ने देशव्यापी स्तर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच और प्रभावशीलता को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया है।

भारतीय रेलवे व भारतीय स्टेट बैंक ने अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

एसबीआई के साथ वेतन खाते बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को आकस्मिक मृत्यु के लिए 1 करोड़ का बढ़ाया बीमा कवरेज मिलेगा

भोपाल, नप्र।

भारत के दो प्रमुख संस्थानों - भारतीय रेलवे (आईआर), दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच आज एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर माननीय रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार और एसबीआई के अध्यक्ष श्री सी.एस. सेटी उपस्थित रहे। इस एमओयू के तहत, एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने वाले रेलवे कर्मचारियों के लिए बीमा कवरेज में काफ़ी वृद्धि की गई है। आकस्मिक मृत्यु के मामले में, सीजीईजीआईएस के तहत कवर किए गए समूह ए, बी और सी कर्मचारियों के लिए क्रमशः 1.20 लाख, 60,000 और 30,000 के वर्तमान कवरेज की तुलना में बीमा लाभ बढ़ाकर 1 करोड़ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, एसबीआई के साथ केवल एक वेतन खाता रखने वाले सभी रेलवे कर्मचारी अब किसी भी प्रीमियम का भुगतान करने या किसी भी चिकित्सा परीक्षा से गुज़रने की आवश्यकता के बिना 10 लाख के प्राकृतिक मृत्यु बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे। लगभग 7 लाख रेलवे कर्मचारियों के एसबीआई के साथ वेतन खातों को बनाए रखने के साथ, यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच देखभाल और रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है।

इस एमओयू के तहत कुछ प्रमुख मानार्थ बीमा कवर में शामिल हैं: रुपे डेबिट कार्ड पर 1.60 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस (मौत) कवर और 1.00 करोड़ तक का अतिरिक्त; 1.00 करोड़ का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी कुल विकलांगता) कवर; और 80 लाख तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर। दो प्रमुख संस्थाओं के बीच यह समझौता कर्मचारी-केंद्रित और कार्यबल को विशेष लाभ पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विशेष रूप से समूह सी और फ्रंटलाइन रेलवे कर्मियों के लिए यह लाभदायक होगा।

आरपीएफ का शिकंजा- रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनो में अनाधिकृत वेंडरों पर बड़ी करवाई

भोपाल, नप्र। महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल पमरे के दिशा निर्देशन एवं डॉ अभिषेक, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेल सुरक्षा बल भोपाल के मार्गदर्शन में मंडल क्षेत्राधिकार में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अनाधिकृत वेंडरों के विरूद्ध पॉच दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान दिनांक 28.08.2025 से 01.09.2025 तक एक साथ पूरे मंडल में संचालित किया गया। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि पॉच दिवसीय विशेष अभियान में मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनो में अनाधिकृत तथा नियम विरूद्ध फैरी करने वालो की सघन चैकिंग की गई, साथ ही पेन्ट्रीकार, साईड पैन्ट्रीकार एवं रेलवे स्टॉलो की भी जॉच की गई। अभियान के दौरान 600 अनाधिकृत वैण्डरों को पकड़ा गया और उनके विरूद्ध रेल अधिनियम के तहत विविध कार्यवाही की गई। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुरक्षा, सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना था। यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित एवं सुखद बनाने हेतु रेलवे सुरक्षा बल निरंतर प्रयासरत है। यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

शंकराचार्य नगर, भोपाल में भव्य एवं सुंदर गणेश प्रतिमा की स्थापना

भोपाल। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शंकराचार्य नगर, भोपाल में नीमपुरा चा राजा गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश उत्सव बड़े धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। यहाँ पर इस बार भी एक भव्य एवं सुंदर गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई है, जो आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति के अध्यक्ष नमन कुशवाह, उपाध्यक्ष हर्षित जैन तथा कोषाध्यक्ष आदि जैन के नेतृत्व में पूरे उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में मित्र मंडल के सदस्य - प्रतीक (ओम), आयुष, हर्ष, ऋतिक, यश, रुद्र, दिव्यांश, चित्रांश, अर्जुन, शिवांश एवं ध्रुव कुशवाहा - सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। स्थानीय निवासियों एवं श्रद्धालुओं का कहना है कि बच्चों की टीम ने मिलकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल बना दिया है। गणेश प्रतिमा की सुंदरता और साज-सज्जा लोगों को आकर्षित कर रही है। गणेश उत्सव समिति का उद्देश्य सामाजिक सद्भावना, भाईचारे और संस्कृति का संरक्षण करना है। आने वाले दिनों में झांकियां, भजन संध्या और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

तीन दिन से नहीं हो पाया करोंद व आसपास जलप्रदाय

करोंद चौराहे पर 3 दिन से नगर निगम जलकार्य कर्मचारी शिफ्टिंग कार्य मे लगे

भोपाल, नप्र। करोंद क्षेत्र में रेल मेट्रो कार्य के कारण विगत 3 दिन से जलप्रदाय करने वाली लाइन के शिफ्टिंग का कार्य जारी है। नगर निगम जोन 17 के जलकार्य विभाग के कर्मचारी और उनके अधिकारी विगत 3 दिनों से लाइन शिफ्टिंग में लगे हुए है। इस कारण करोंद सहित आसपास के क्षेत्रों में जलप्रदाय विगत 31 अगस्त शाम से बाधित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम जलकार्य विभाग का अमला रात और दिन कार्य कर रहा है। जो कार्य 3 सिंतबर तक होने की उम्मीद है। इसके बाद ही जलप्रदाय हो सकेगा। पूर्व में नगर निगम द्वारा मनुभान टेकरी जल संयंत्र से विगत 31 अगस्त से 1 सिंतबर तक शट डाउन लिया गया था। परन्तु कार्य अभी तक नही हो पाया है। इस कारण करोंद व आसपास के क्षेत्र विश्वकर्मा नगर, नवीबाग, भानपुर, लंबाखेड़ा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद, न्यू जेल रोड, नयापुरा, संजीव नगर, चाँदबाड़ी, छोला, शिव नगर फेज 01, 02, 03, शिव शक्ति नगर, अटल नेहरू नगर, देवकी नगर, नवाब कॉलोनी, गोंडीपुरा, दानिश कॉलोनी, शहीद कॉलोनी, आशियाना कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, जनता नगर, हनीफ कॉलोनी, मोतीलाल नगर, रतन कॉलोनी, संजय नगर, गैस राहत क्वार्टर, कमल नगर, पन्ना नगर, ब्लू मून कॉलोनी, प्रेम नगर, सुंदर नगर आदि क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित है। आम नागरिक मेट्रो रेल कार्य के कारण शिफ्टिंग हो रही जलप्रदाय लाइन से पानी के बूंद बूंद को तरस रहे है। बुधवार शाम से इन क्षेत्रों में जलप्रदाय होने की उम्मीद है।

प्रेमी ने ब्लेड से गला रेत की थी युवती की हत्या

भोपाल, नप्र। आशिक ने ही की थी ब्लेड से गला रेत कर युवती की हत्या। सीडीआर से पुलिस को मिला आरोपी का सुराग। 2 माह बाद होनी थी युवती की शादी। थाना टीटी नगर से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह थाना टीटी नगर अंतर्गत पंचशील नगर निवासी मृतिका रोशनी पुत्री एजाज़ उम्र 19 वर्ष का शव उंसके घर पर मिला था। उसकी गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को घटनास्थल से हत्या का कोई सुराग नहीं मिला था। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग व हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच आरम्भ की गई थी। मृतका की 2 माह बाद भोपाल में ही शादी होनी थी। उसका निकाह ओशक नाम के युवक से तय हुआ था। पुलिस द्वारा युवती का मोबाइल जप्त कर उसकी सीडीआर निकली गई। जिससे पता लगा कि उसके पड़ोस में रहने वाला आरोपी मुबीन पिता यूनुस जो टेलरिंग का कार्य करता है। वह उसे निरंतर युवती से बात किया करता था और वह युवती को चाहता था। उसके द्वारा ही युवती का गला रेत कर हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात उसके घर स्थित पंचशील नगर थाना टीटी नगर से हिरासत मिले पूछताछ की तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह नहीं चाहता था कि उसकी शादी किसी दूसरे के साथ हो। इसी कारण उसने तय किया कि यदि रोशनी मेरी नहीं होगी तो वह किसी और की भी नहीं होने देगा।

पति गया था लड्डू लेने, नव विवाहिता ने लगाई फांसी

भोपाल । पति अपने रिश्तेदारों के यहां सुबह गया था लड्डू लेने। घर लौटा तो पत्नी फांसी पर लटकी मिली। करीब 1 साल पहले हुई थी शादी। नंद ने दी पुलिस को सूचना। थाना जहांगीराबाद से मिली जानकारी के अनुसार मृतिका लक्ष्मी विश्वकर्मा पति विष्णु विश्वकर्मा उम्र 20 वर्ष निवासी बरखेड़ी भोपाल। जो अपने पति के साथ किराए के मकान पर रहती थी। उसका पति पेंटिंग का कार्य करता है। जो मंगलवार सुबह अपने किसी रिश्तेदार के यहां लड्डू लेने गया था। कारण उनके यहां बच्चों ने जन्म लिया था। जो उनके यहां प्रथा है। बताया जा रहा है कि मृतिका का पति सुबह करीबन 8 से 9.00 बजे के बीच घर से निकल गया था। जब मृतिका की नंद पूजा विश्वकर्मा पति रामस्वरूप उम्र 25 वर्ष ने उसे आवाज दी तो उसने दरवाजा नहीं खोला। जब अंदर जाकर देखा तो मृतिका फांसी पर लटकी हुई थी। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। नंद द्वारा ही मृतिका के मौत की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबको पोस्टमार्टम के लिए भेज मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

राजधानी भोपाल के प्रसिद्ध करोंद के राजा की हुई भव्य महाआरती

भोपाल, नप्र। राजधानी भोपाल के प्रसिद्ध करोंद के राजा की मंगलवार शाम को भव्य महाआरती हुई। महाआरती के दौरान भव्य आतिशबाजी व लेजर शो लाइटिंग रही आकर्षण का केंद्र। दूर दूर नज़र आ रहे थे श्रदालु। महाआरती में मुख्य रूप मन्त्री विश्वास कैलाश सारंग के सुपुत्र उत्सव सारंग व भगत सिंह मंडल अध्यक्ष बबलेश राजपूत शामिल हुए। मुम्बई के लाल बाग की भांति विराजे राजधानी भोपाल के करोंद के राजा की बड़ी संख्या में एक साथ अनेकों आरतियां जला महाआरती की गई। इसमें करोंद सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में माताओं बहनों सहित श्रदालु गण उपस्थित हुए। महाआरती के दौरान अनेकों प्रकार की लेजर शो लाइटिंग व भव्य अतीश्वजी आकर्षण का केंद्र। करोंद के राजा को महाआरती में लगाया गया छप्पन भोग। जो महाआरती पश्चात श्रदालुओ में वितरित किया गया। करोंद के राजा की महाआरती के दौरान जहां जहां तक नज़र जाती भक्तों की कतारें दिखाई देती। जानकारी देते हुए करोंद के राजा आयोजन समिति के दीपक जाट द्वारा बताया गया कि यह करोंद के राजा जी को विराजमान किये जाने का सफलतम 22 वा वर्ष है। इस वर्ष करोंद के राजा की 16 फिट की ऊंची प्रतिमा विराजमान है। जो पूर्णतः मुम्बई के लाल बाग के राजा की भांति है। प्रतिमा का निर्माण मूर्ति आर्ट के कलाकार राजकुमार प्रजापति द्वारा किया गया है।

बुधवार को फिर घटी 'परम सुंदरी' की कमाई लेकिन बना दिया ये रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म 'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म ने ओपनिंग वीकेंड पर अच्छी कमाई की थी लेकिन पहले मंडे इसके कलेक्शन में गिरावट देखी गई. फिर मंगलवार को इसके कारोबार में अचानक उछाल आया. वहीं उतार-चढ़ाव के साथ ये फिल्म सिनेमाघरों में पहला हफ्ता पूरा करने वाली है. चलिए यहां जानते हैं 'परम सुंदरी' ने रिलीज के 6ठे दिन यानी बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?'परम सुंदरी' को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है और इसे तुषार जलोटा ने निर्देशित किया है. नॉर्थ के लड़के परम और साउथ की लड़की सुदंरी की लव स्टोरी पर बेस्ड ये फिल्म अपने शानदार म्यूजिक के चलते खूब चर्चा बटोर रही है. इसका फायदा फिल्म को हुआ है. हालांकि 'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई नहीं कर रही है लेकिन अच्छी बात ये है कि कम बजट में बनी ये फिल्म रिलीज के 6 दिन में ही अपनी लागत वसूलने के बेहद नजदीक पहुंच गई है.फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने 7.25 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद इसने 27.59 फीसदी के जंप के साथ दूसरे दिन 9.25 करोड़ कमाए. फिर तीसरे दिन इसके कलेक्शन में 10.81 फीसदी का उछाल आया और इसकी कमाई 10.25 करोड़ रुपये रही. वहीं चौथे दिन इसकी कलेक्शन 68.29 फीसदी गिर गया और इसने 3.25 करोड़ का कारोबार किया. इसके बाद 5वें दिन फिल्म ने 30.77 फीसदी के जंप के साथ 4.25 करोड कमाए.'परम सुंदरी' की कमाई में मंगलवार की तुलना में बुधवार को एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई. बावजूद इसके ये फिल्म जाह्नवी कपूर की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है. इसने 6ठे दिन एक्ट्रेस की मिस्टर एंड मिसेज माही के 35.14 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है. अब इसका अगला टारगेट धड़क (73.52 करोड़) को पछाड़ना है, वहीं देवरा (292.71 करोड़) इसकी पहुंच से बाहर होगी.कोईमोई के मुताबिक परम सुंदरी 60 करोड़ के बजट में बनी है. इस फिल्म ने रिलीज के 6 दिन में 35 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है और इसी के साथ इसने अपनी अनुमानित लागत का 60त्न से ज्यादा वसूल कर लिया है. अब देखने वाली बात होगी कि 5 सितंबर, 2025 को रिलीज़ होने वाली बागी 4, द बंगाल फाइल्स और द कॉन्न्यूरिंग- लास्ट राइट्स जैसी फिल्मों से मुकाबला करते हुए ये अपनी पूरी लागत वसूल पाती है या नहीं।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा का पीले रंग की साड़ी में ट्रेडिशनल लुक हुआ वायरल

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उनका ट्रेडिशनल अवतार सोशल मीडिया पर छा गया है.मोनालिसा ने पीले रंग की खूबसूरत साड़ी पहनकर फैंस का दिल जीत लिया है. मोनालिसा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं.इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस ने पीले रंग की सुंदर बनारसी साड़ी पहनी है जिसका बॉर्डर काफी चौड़ा है. उन्होंने साड़ी को मैचिंग ब्लाउज के साथ पेयर किया है.अपने ट्रेडिशनल लुक को और भी खास बनाने के लिए उन्होंने गले में एक खूबसूरत हार के साथ मंगलसूत्र पहना है. इसके अलावा उन्होंने कानों में झुमके भी पहने हैं.हाथों में रेड और गोल्डन चूड़ियों का सेट पहने और ओपन हेयर स्टाइल के साथ वो काफी खूबसूरत लग रही हैं.एक तस्वीर में मोनालिसा हाथ में पूजा की थाली लिए गणपति बप्पा के साथ पोज देती नजर आईं.इस ट्रेडिशनल लुक में एक्ट्रेस ने अलग-अलग बैकग्राउंड के साथ पोज दिया.एक तस्वीर में मोनालिसा अपनी दो दोस्तों के साथ दिख रही हैं.उन्होंने भी मोनालिसा की तरह पीले रंग की साड़ी पहनी हुए है.इन तस्वीरों को साझा करते हुए मोनालिसा ने लिखा- पीले कपड़ों में एक साथ... सबसे अच्छा समय बिताया.मोनालिसा की इन तस्वीरों पर हजारों की संख्या में लाइक्स और कमेंट्स आने लगे हैं. एक यूजर ने लिखा, स्वीट, तो दूसरे फैन ने लिखा, प्योर इंडियन ब्यूटी।

पढ़ाई के साथ इन फिल्मों ने दी जिंदगी की सीख

हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है. शिक्षक सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं देते बल्कि हमें जिंदगी के असल मायने भी सिखाते हैं. बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में हैं जो भावनाओं, प्रेरणा और रिश्तों की गहराई से रूबरू कराती हैं. इस खास मौके पर कुछ ऐसी ही बॉलीवुड फिल्मों के बारे में आपको बताते हैं, जिन्होंने शिक्षक और छात्र के रिश्ते को बेहद खूबसूरती से बड़े पर्दे पर दिखाया है.

इन फिल्मों ने बखूबी दिखाया टीचर- स्टूडेंट के बीच का रिश्ता

1. तारे जमीन पर

तारे जमीन पर एक ऐसी फिल्म है जिसे देखकर शायद ही किसी की आंखें नम न हुई हों. इस फिल्म में एक टीचर, ईशान नाम के बच्चे की जिंदगी को एक नया मोड़ देता है, जो पढ़ाई में कमजोर समझा जाता है लेकिन असल में एक कलाकार होता है. आमिर खान ने फिल्म में ऐसे टीचर का किरदार निभाया है, जो बच्चों की कमजोरी नहीं, बल्कि उनकी खासियत की पहचान करता है. शिक्षक दिवस पर यह फिल्म सिखाती है कि एक अच्छा गुरु हर बच्चे में छिपे हुए टैलेंट को पहचानता है और उसे उड़ान देता है. इस फिल्म को आप पुरे परिवार के साथ नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं. साथ ही ये फिल्म यूट्यूब पर भी अवेलेबल है.

2. छिछोरे

यह फिल्म देखने पर शुरू में ऐसा लगता है कि ये सिर्फ दोस्ती और कॉलेज की मस्ती पर बनी है, लेकिन इसमें कई जगह ऐसे पल आते हैं जो शिक्षक और छात्रों के रिश्ते की अहमियत को उजागर करते हैं. यह फिल्म बताती है कि जीवन सिर्फ नंबरों से नहीं चलता, बल्कि आत्मविश्वास, समर्थन और सही सोच से ही असली सफलता मिलती है. इसमें दिखाया गया है कि सही समय पर दी गई सीख जीवन को बदल सकती है. जिओ हॉटस्टार पर ये फिल्म अवेलेबल है.

3. सुपर 30

ये फिल्म असल जीवन से प्रेरित फिल्म है जो आनंद कुमार नामक शिक्षक की कहानी बताती है. वह ऐसे गरीब बचों को पढ़ाते हैं जो पैसों की कमी के कारण अछे स्कूलों में नहीं पढ़ पाते. यह फिल्म एक शिक्षक की समाज के प्रति जिम्मेदारी और बदलाव लाने की उनकी क्षमता को दिखाती है। शिक्षक दिवस पर यह फिल्म बताती है कि एक टीचर समाज की तस्वीर बदल सकता है. ये फिल्म आप जिओ हॉटस्टार पर एन्जॉय कर सकते हैं.

4. 3 इडियट्स

इस फिल्म में दिखाया गया है कि शिक्षा का असली मकसद रट्टा मारना नहीं बल्कि समझना और अपने पैशन को फॉलो करना है. शिक्षक के किरदार में बोमन ईरानी और छात्रों के बीच का रिश्ता यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारा एजुकेशन सिस्टम वाकई छात्रों को सोचने और अपने अंदर की कला को खोजने की आजादी देता है. ये फिल्म प्राइम वीडियो पर अवेलेबल है.

5. हिचकी

यह फिल्म समाज की बनी-बनाई धारणाओं को तोड़ती है. रानी मुखर्जी द्वारा निभाए गए टीचर के किरदार को टॉरेट सिंड्रोम नाम की बीमारी होती है, लेकिन वह हार नहीं मानती और समाज के सबसे कमजोर समझे जाने वाले बचों को पढ़ाकर यह साबित करती है कि एक सचा शिक्षक कभी हालातों से नहीं डरता. शिक्षक दिवस पर यह फिल्म बताती है कि एक गुरु न सिर्फ ज्ञान देता है बल्कि प्रेरणा भी देता है. इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

कानूनी विवाद में फंसी सुहाना

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपनी फिल्म किंग की वजह से चर्चा में हैं, लेकिन अब वह जमीन विवाद की वजह से सुर्खियों में हैं। सुहाना ने अलीबाग में करोड़ों की जमीन खरीदी है, जिस पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने इसके लिए सरकारी अनुमति नहीं ली।

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी किंग को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म के प्रमोशन और शूटिंग की वजह से वह मीडिया और फैंस दोनों के बीच सुर्खियों में बनी हुई हैं। लेकिन हाल ही में सुहाना किसी फिल्म से ज्यादा एक नए विवाद के कारण खबरों में आ गई हैं। यह विवाद सीधे तौर पर जमीन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, सुहाना ने अलीबाग में करोड़ों की जमीन खरीदी है, जिस पर अब सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि यह जमीन किसानों को खेती के लिए दी गई थी और इसे खरीदने के लिए सरकार की अनुमति जरूरी थी, जो सुहाना ने नहीं ली। आइए जानते हैं इस बारे में।दरअसल, सुहाना खान ने मई 2023 में अलीबाग के थाल गांव में करीब 12 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी थी। इसके लिए उन्होंने बाकायदा स्टाम्प ड्यूटी भी अदा की। लेकिन अब यह डील सवालों के घेरे में है। खबरों के मुताबिक, जिस जमीन को सुहाना ने खरीदा है, वह पहले किसानों को खेती के लिए दी गई थी। इस तरह की जमीन को खरीदने के लिए सरकार की अनुमति जरूरी होती है। आरोप यह है कि सुहाना ने बिना अनुमति के यह प्रॉपर्टी खरीद ली।

अलीबाग में है जमीन

वहीं, ये मामला यहीं तक नहीं रुका। डॉक्यूमेंट्स में बताया जा रहा है कि सुहाना को 'किसान' दिखाया गया है, ताकि जमीन खरीदी जा सके। यह प्रॉपर्टी देज़ा वू प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी के जरिए खरीदी गई है। इस कंपनी से शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान का परिवार जुड़ा है। कंपनी में गौरी खान और उनकी भाभी डायरेक्टर हैं। अब इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अलीबाग के तहसीलदार से रिपोर्ट मांगी गई है, जिसे रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर ने जारी किया है।

दूसरी प्रॉपर्टी खरीदने की बात आई सामने

एक रिपोर्ट के अनुसार, इस डील के बाद सुहाना खान के नाम पर समंदर किनारे 10 करोड़ रुपये की एक और प्रॉपर्टी खरीदने की भी बात सामने आई है। लेकिन अब तक इस पूरे कंट्रोवर्सी पर न तो सुहाना की तरफ से और न ही उनकी फैमिली की तरफ से कोई ऑफिसियल बयान सामने आया है।

सुहाना खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

सुहाना खान ने हाल ही में नेटफ्लिक्स फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड में कदम रखा था। अब वह अपने पिता शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जिन्होंने शाहरुख की हिट फिल्म 'पठान' बनाई थी। फिल्म में शाहरुख और सुहाना के अलावा अभिषेक बच्चन, जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत और अभय वर्मा भी होंगे। कहा जा रहा है कि मूवी अगले साल रिलीज हो सकती है। खास बात यह है कि इस फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन के रोल में दिखाई देंगे।

रिलीज से एक दिन पहले टाइगर श्रॉफ की फिल्म ने कर ली करोड़ों की कमाई

टाइगर श्रॉफ एक बार वापसी करने जा रहे हैं. वो फिल्म बागी 4 से कमबैक कर रहे हैं. उनका जबरदस्त अंदाज देखने के लिए फैंस इंतजार कर रहे हैं. बागी फ्रेंचाइजी की इससे पहले 3 फिल्में आ चुकी हैं और अब ये चौथी फिल्म लेकर आए हैं. बागी 4 में टाइगर श्रॉफ के साथ संजय दत्त विलेन के किरदार में नजर आने वाले हैं. फिल्म में बहुत मार-धाड़ होने वाली है ये ट्रेलर से ही पता चल गया है. आइए आपको फिल्म की एडवांस बुकिंग के बारे में बताते हैं.

बागी 4 को रिलीज होने में अब सिर्फ 1 दिन बचा है. ये फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है उसके बाद से ही हर कोई इसके रिलीज होने का वेट कर रहा था. अब रिलीज होने में एक दिन बचा है तो एडवांस बुकिंग में जमकर कमाई हो रही है.बागी 4 की एडवांस बुकिंग हाल ही में शुरू हुई है. फिल्म के अब तक 1 लाख से ज्यादा टिकट बिक गए हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक बागी 4 ने एडवांस बुकिंग से अब तक 111031 टिकट्स बिक गए हैं. जिससे ब्लॉक सीट्स मिलाकर बागी 4 ने अब तक 5.07 करोड़ की कमाई कर ली है. अभी ये कमाई काफी बढ़ने वाली है क्योंकि अभी पूरा दिन बाकी है. जिसमें अच्छी खासी कमाई एडवांस बुकिंग से होने वाली है.बागी 4 को लेकर ट्रेड एनालिस्ट से प्रिडिक्शन किया है. ये फिल्म पहले दिन इंडिया में 8.50 करोड़ रुपये से 9.50 कमा सकती है।

काफा नेशंस कप, भारत को झटका:

डिफेंडर झिंगन चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर

हिसोर (ताजिकिस्तान), एजेंसी। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। भारत के स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ईरान से 0-3 से मिली हार के दौरान लगी चोट के कारण काफा नेशंस कप के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। 32 वर्ष के झिंगन को लगी चोट भारत के लिए करारा झटका है जिसे गुरुवार को ग्रुप बी के तीसरे और आखिरी मैच में अफगानिस्तान से खेलना है। भारत इस समय चार टीमों के ग्रुप में दूसरे स्थान पर है जिसने मेजबान ताजिकिस्तान को हराया था। इसके बाद एशियाई दिग्गज और दुनिया की 20वें नंबर की टीम ईरान से हार गया। ईरान छह अंक लेकर शीर्ष पर है। भारत की आगे बढने की उम्मीदें अफगानिस्तान के खिलाफ मैच पर टिकी हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने एक्स पर लिखा, डिफेंडर संदेश झिंगन को ईरान के खिलाफ भारत के काफा नेशंस कप 2025 मैच के दौरान चोट लगी थी। वह भारत लौट जाएंगे।

ODI ऑलराउंडर, अफगानिस्तान के प्लेयर की बादशाहत खत्म

39 साल के सिकंदर रजा बने दुनिया के नंबर-1

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी की, इसमें ओडीआई ऑलराउंडर रैंकिंग में एक बड़ा बदलाव हुआ. अफगानिस्तान के प्लेयर अज़मतुल्लाह उमरज़ई पहले स्थान से खिसककर दूसरे नंबर पर आ गए हैं. उनकी जगह ली है जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने, जो 302 रेटिंग के साथ ओडीआई में दुनिया के नए नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं. 39 वर्षीय सिकंदर रजा ने पिछले हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ 2 वनडे मैचों में शानदार बल्लेबाजी की थी. उन्होंने 29 अगस्त को खेले गए मुकाबले में 92 रनों की शानदार पारी खेली थी. हालांकि बावजूद इसके जिम्बाब्वे जीत नहीं सकी थी, लेकिन टीम जीत के बेहद करीब पहुंच गई थी. 299 का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे लक्ष्य से सिर्फ 8 रन दूर रह गई थी. इसके बाद 31 अगस्त को हुए मुकाबले में रजा ने नाबाद 59 रन बनाए थे, इसमें भी श्रीलंका आसानी से जीत नहीं मिली थी.

अज़मतुल्लाह उमरज़ई की बादशाहत खत्म

सिकंदर रजा ओडीआई ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले तीसरे स्थान पर थे, लेकिन इन दो पारियों ने उन्हें टॉप पर पहुंचा दिया है. उन्होंने अफगानिस्तान के ऑलराउंडर प्लेयर अज़मतुल्लाह उमरज़ई का ताज छीना, जो अब दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं.

ICC वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप-5 बल्लेबाज

सिकंदर रजा (जिम्बाब्वे) - 302 रेटिंग

अज़मतुल्लाह उमरज़ई (अफगानिस्तान) - 296 रेटिंग

मोहम्मद नबी (अफगानिस्तान) - 292 रेटिंग

मेहदी हसन मिराज (बांग्लादेश) - 249 रेटिंग

माइकल ब्रेसवेल (न्यूजीलैंड) - 246 रेटिंग

टेस्ट और टी20 में भारत की बादशाहत बरकरार

टेस्ट फॉर्मेट में दुनिया के नंबर-1 ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ही हैं, इस लिस्ट के टॉप-10 में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है. जबकि हार्दिक पांड्या दुनिया के नंबर टी20 ऑलराउंडर हैं. उनके 252 रेटिंग पॉइंट्स हैं. हालांकि अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को एक अंक का फायदा हुआ है, वह अब टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं.

तीनों फॉर्मेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रुट 908 रेटिंग के साथ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले नंबर पर हैं. ओडीआई रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज भारत के शुभमन गिल हैं, जिनके 784 रेटिंग हैं. टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं.

पांच साल की उम्र में फिडे रेटिंग, शतरंज के तीनों प्रारूपों में दिल्ली की बेटी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं। डी गुकेश, प्रगनानंदा और दिव्या देशमुख के बाद अब पांच साल की बेटी दिल्ली की आरिनी लाहोटी ने शतरंज की दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। आरिनी शतरंज के तीनों प्रारूपों क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में फिडे रेटिंग हासिल करने वाली दुनिया की सबसे युवा बेटी बन गई हैं। क्लासिकल में आरिनी की रेटिंग 1553, रैपिड में 1550 और ब्लिट्ज में 1498 है। दरअसल उनके आयुवर्ग में कई खिलाड़ी रैपिड वर्ग में रेटिंग हासिल कर चुके हैं, लेकिन तीनों प्रारूपों में वह रेटिंग हासिल करने वालीं पहली खिलाड़ी हैं। आरिनी पिछले माह ही अपने आयुवर्ग में भारत की सबसे श्रेष्ठ रेटिंग वाली खिलाड़ी बन गई थीं। रविवार को फिडे ने आधिकारिक रेटिंग जारी की है। 19 सितंबर, 2019 को जन्मीं आरिनी के बारे में निजी स्कूल में शिक्षक उनके पिता सुरेंद्र लाहोटी ने कहा कि जन्मदिन से पहले ही बेटी ने बड़ी खुशी दे दी है। उन्होंने बताया कि घर पर ही बेटी की तैयारी कराते हैं। हम उसी टाइम कंट्रोल के साथ उसकी ट्रेनिंग कराते हैं, जो टूर्नामेंट में होता है।

पिता से सीखा मोहरों से खेलना: दिल्ली में एक शतरंज अकादमी चलाने वाले सुरेंद्र बताते हैं कि उनकी बेटी ने एक वर्ष की उम्र में ही शतरंज को बारीकी से देखना शुरू कर दिया। लॉकडाउन के दौरान वह मुझे ऑनलाइन ट्रेनिंग देते समय लगातार देखती थी और जल्द ही उसने अपने तौर पर सही मोहरे चलना सीख लिया। शिक्षक सुरेंद्र का सपना है कि उनकी बेटी सबसे युवा इंटरनेशनल मास्टर और सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने और पूरे देश को उस पर गर्व हो।

उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया, बेंगलुरु भगदड़ पर विराट कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इसी साल 3 जून को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब अपने नाम किया। अगले दिन विक्ट्री परेड का आयोजन था, लेकिन फैंस के बीच मची भगदड़ में 11 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस मामले पर आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का बयान सामने आया है। विराट कोहली के बयान को आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया है, जिसमें कोहली ने कहा, जिंदगी में कुछ भी आपको 4 जून जैसे दिल टूटने के लिए तैयार नहीं करता। जो हमारी फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया।

उन्होंने कहा, मैं उन लोगों के परिवारों के बारे में सोच रहा हूं और उनके लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिन्हें हमने खो दिया। उन फैंस के बारे में सोच रहा हूं, जो घायल हुए। आपका नुकसान अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम साथ मिलकर सम्मान और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे। इस हादसे में 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जबकि 33 लोग घायल हुए थे। फ्रेंचाइजी भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को आरसीबी केयर्स के जरिए 25 लाख रुपए देने का ऐलान कर चुकी है। मामले को लेकर न्यायिक जांच के आदेश दिए गए थे। घटना के बाद से अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला गया है। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के कुछ मुकाबले यहां खेले जाने थे, लेकिन अब उन्हें मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी में कराने का फैसला लिया गया है।

आज से शुरू होगा सेमीफाइनल इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी। श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और शार्दुल ठाकुर गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र की तरफ से मध्य क्षेत्र के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना मजबूत दावा पेश करने की कोशिश करेंगे।

अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया लेकिन वह यहां सत्र की शानदार शुरुआत करके वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला तथा उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले खुद को दावेदारी में बनाए रखना चाहेंगे। अय्यर ने इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के लिए 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह एशिया कप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए। उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा पश्चिम क्षेत्र को भी मिलेगा। जहां तक जायसवाल का सवाल है तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर दी है लेकिन सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह राष्ट्रीय चयन समिति की पहली की पसंद नहीं हैं। वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले लाल गेंद की क्रिकेट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहेंगे। जायसवाल का आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट था और उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना पड़ सकता है।

दूसरी ओर ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसलिए चयनकर्ताओं की नजरों में बने रहने के लिए वह अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेंगे। पश्चिम क्षेत्र की टीम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे रुतुराज गायकवाड़ और तनुश कोटियन अभी अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयन समिति का ध्यान खींचना चाहेंगे। जहां तक मध्य क्षेत्र का सवाल है तो ध्रुव जुरेल अगर कमर की चोट से उबर जाते हैं तो वह टीम की कमान संभाल सकते हैं।

झयह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाया था। जुरेल के बिना भी उनकी बल्लेबाजी दमदार रही, क्योंकि कार्यवाहक कप्तान रजत पाटीदार, दानिश मालेवार और शुभम शर्मा ने बड़े शतक जड़े। उनके पास बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे तथा तेज गेंदबाज खलील अहमद और दीपक चाहर के रूप में मजबूत गेंदबाजी इकाई भी है। एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र का मुकाबला दक्षिण क्षेत्र से होगा। दक्षिण क्षेत्र के कप्तान तिलक वर्मा एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल है और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

इसके अलावा दक्षिण क्षेत्र को तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार और बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की भी कमी खलेगी जो चोटिल हैं। इसलिए दक्षिण क्षेत्र को उत्तर क्षेत्र की चुनौती से निपटने के लिए एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल और सलमान निजार जैसे खिलाड़ियों से अच्छे स्कोर की आवश्यकता होगी। उत्तर क्षेत्र को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा की कमी खलेगी जो एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं। उत्तर क्षेत्र की बल्लेबाजी का दारोमदार आयुष बडोनी और कप्तान अंकित कुमार पर रहेगा।

पाकिस्तान की टीम एक मजाक है...

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात में खेली जा रही टी20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान से अपनी पिछली हार बदला ले लिया. इस सीरीज के चौथे मुकाबले में अफगानिस्तान ने अपने पड़ोसी देश को 18 रनों से हरा दिया. इससे पहले उसने यूएई को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की थी. पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन किया. इस दौरान उनके स्पिनर्स के आगे पाकिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाए. अफगानिस्तान से हार के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एशिया कप से पहले यूएई टी-20 ट्राई सीरीज में पाकिस्तान को पहली हार का सामना करना पड़ा है. अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई. पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा रन बनाए. इस दौरान सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का खूब मजाक उड़ रहा है. एक फैंस ने लिखा, शोएब अख्तर की बात तो आपको साफ याद होगी, वो बिल्कुल सही थे. ये शारजाह की पिच थी, लेकिन जब उन्हें दुबई की पिच पर खेलना होगा, तो याद रखना, वो 130 रन भी नहीं बना पाएंगे.

दूसरे क्रिकेट फैंस ने लिखा कि अफगानिस्तान के खिलाफ दसवें नंबर के बल्लेबाज हारिस रऊफ 212.50 के स्ट्राइक रेट के साथ पाकिस्तान के शीर्ष स्ट्राइकर रहे. बाबर आजम, पाकिस्तान के सबसे ज्यादा टी 20 रन बनाने वाले बल्लेबाज होने के बावजूद अपने पूरे टी 20 करियर में कभी भी यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाए.

ध्रुव जुरेल को हुआ डेंगू, बड़े घरेलू टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य क्षेत्र के कप्तान बनाए गए ध्रुव जुरेल डेंगू से पीड़ित होने के कारण दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नहीं खेल पाएंगे। मध्य क्षेत्र के ध्रुव जुरेल 4 सितंबर से पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीम के कप्तान बनाए गए इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कमर में दर्द के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था। अब जुरेल के बीमारी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है।

मध्य क्षेत्र के मुख्य कोच उस्मान गनी ने दावा किया है कि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं और इसलिए दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने बताया कि अक्षय वाडकर को विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह टीम में शामिल किया गया है। जुरेल की अनुपस्थिति में रजत पाटीदार ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन की कप्तानी की। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि जुरेल अपनी कमर की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर रहेंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है। विदर्भ और सेंट्रल जोन के मुख्य कोच उस्मान गनी ने कहा, हां, वाडकर को सेंट्रल ज़ोन टीम में शामिल किया गया है क्योंकि जुरेल डेंगू से पीड़ित हैं। वह अगले मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं और हमें टीम में एक और विकेटकीपर की जरूरत थी। जुरेल आखिरी बार भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में नजर आए थे, जहां उन्होंने चोटिल ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। जुरेल के अलावा, कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है क्योंकि वह एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगे।

मध्य क्षेत्र की अपडेटिड टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), अक्षय वाडकर, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, यश ठाकुर, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

स्टैंडबायः माधव कौशिक, युवराज चौधरी, महिपाल लोमरोर, कुलदीप सेन, उपेंद्र यादव

यूएस ओपनः

पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में युकी भांबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी न्यूजीलैंड के जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। भांबरी-वीनस की जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्रावित्ज-टिम पुएत्ज की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। यह इंडो-न्यूजीलैंड जोड़ी अब 41 वर्षीय अमेरिकी राजीव राम और उनके जोड़ीदार निकोला मेक्टिक की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी। निकोला क्रोएशिया से हैं। भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले पुरुष डबल्स टेनिस खिलाड़ी भांबरी ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। वह वर्तमान में वर्ल्ड नंबर 32 हैं। पिछले साल भांबरी ने फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी अल्बानो ओलिवेटी के साथ यूएस ओपन खेला था। वह प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। उस मुकाबले में यह जोड़ी स्पेन के मार्सेल ग्रानोलेर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से सीधे सेटों में हार गई थी। इससे पहले, भांबरी और वीनस ने कोलंबिया के गोंजालो एस्कोबार और मैक्सिको के मिगेल एंजेल रेयेस-वरेला की जोड़ी को 6-1, 7-5 से शिकस्त देकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड दौरा कभी नहीं भूल सकता: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया था। शुभमन गिल की कप्तानी वाली युवा टीम के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि थी। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का इसमें अहम योगदान रहा था। प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत का 2-2 से रोमांचक ड्रॉ उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक के रूप में उनकी यादों में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। 29 वर्षीय कृष्णा ने द ओवल में खेले गए पांचवें और निर्णायक टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था और कुल 8 विकेट लेते हुए भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। बात करते हुए कृष्णा ने कहा, शारीरिक रूप से दौरे ने मुझे थका दिया था। इंग्लैंड सीरीज के बाद मैंने दस दिन का ब्रेक लिया था।

ब्रेक के दौरान भी मुझे शरीर में दर्द महसूस हो रहा था। द ओवल टेस्ट का पांचवां दिन याद करते हुए कृष्णा ने कहा, पहली गेंद, मैंने पहले ही तय कर लिया था, बाउंसर होने वाली थी। वह गेंद चौके के लिए गई, लेकिन इससे मुझे यह समझने में भी मदद मिली कि पिच पर क्या हो रहा है। दूसरी गेंद अंदरूनी किनारे से लगी। पहली दो गेंदों पर आठ रन आने के बावजूद, मैं काफी संयमित था। मुझे पता था कि मुझे एक निश्चित क्षेत्र में, एक निश्चित लंबाई पर गेंद फेंकनी होगी, और गेंद को ही अपना काम करने देना होगा। कृष्णा ने दूसरे छोर से दबाव बनाने के लिए मोहम्मद सिराज को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि पहले कुछ ओवरों में मुझसे ज्यादा सिराज की गेंद स्विंग कर रही

बिहार बंद पर बोले तेजस्वी- भाजपा का बिहार बंद सुपर फ्लॉप

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा और एनडीए गठबंधन ने गुरुवार को बिहार बंद का आह्वान किया। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक पांच घंटे के इस बंद को एनडीए नेताओं ने सफल और शांतिपूर्ण करार दिया। उनका दावा है कि आवश्यक सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा। लेकिन राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस बंद को पूरी तरह असफल बताया। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा का बिहार बंद सुपर फ्लॉप रहा, आम जनता ने इसमें कोई सहयोग नहीं किया। इसी के साथ ही तेजस्वी यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंद के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने सड़कों पर गुंडागर्दी की, महिलाओं और शिक्षकों के साथ बदतमीजी की और एम्बुलेंस तक का रास्ता रोका गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि इस तरह की हरकतों से भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है। तेजस्वी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि बिहार की जनता ने इस बंद को पूरी तरह नकार दिया और भाजपा-एनडीए को कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। वहीं भाजपा और एनडीए नेताओं ने तेजस्वी के आरोपों को राजनीतिक बयान बताते हुए कहा कि बंद पूरी तरह शांति और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ।

दिल्ली सचिवालय के पास पहुंचा यमुना का पानी

राहत शिविर भी डूबे; 208 मीटर के करीब जलस्तर

नई दिल्ली : यमुना में लगातार बढ़ रहे जलस्तर से देश की राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बाढ़ के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं। अब शहर के भीतरी हिस्सों में भी पानी भरने का खतरा बढ़ गया है।

वहीं, हथिनीकुंड बैराज से बुधवार सुबह से लेकर रात तक छोड़े जा रहे पानी को दिल्ली आते देखकर ये साफ है कि पानी जल्द कम नहीं होगा। देर रात यमुना का जलस्तर 207.40 मीटर तक पहुंच गया था। केंद्रीय जल आयोग ने सूचना जारी की है कि दिल्ली में पानी और बढ़ सकता है।

इससे आशंका है कि दिल्ली में यमुना का जलस्तर 208 मीटर तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा होता है तो 2023 की बाढ़ की तरह आउटर रिंग रोड और कश्मीरी गेट आईएसबीटी तक पानी पहुंचने के आसार हैं। इससे दिल्ली में न केवल आवागमन बाधित हो सकता है बल्कि बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित होने का खतरा भी है।

मयूर विहार-फेज 1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में पानी : वहीं, दिल्ली में लगातार बारिश और यमुना नदी में उफान

की वजह से मयूर विहार-फेज 1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में पानी भर गया है। दिल्ली के सिविल लाइंस में बेला रोड पर उफनती यमुना नदी का पानी घुसने से वाहन डूब गए, इमारतें जलमग्न हो गईं।

निचले इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

बाढ़ की आशंका को देखते हुए यमुना नदी के पास निचले इलाकों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। दिल्ली में लोहा पुल और आसपास के इलाकों में लगातार बारिश के बाद यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

निगमबोध घाट डूबा, अंतिम संस्कार पर रोक

यमुना के जलस्तर का असर राजधानी के सबसे बड़े श्मशान घाट निगमबोध पर भी पड़ा है। बुधवार शाम को पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आने से यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया रोक दी गई है। घाट परिसर में कई फीट तक पानी भर गया है। यमुना का पानी बहकर रिंग रोड तक पहुंच गया है। प्रशासन ने निगमबोध घाट को बचाने के लिए कई प्रयास किए। यमुना की ओर मिट्टी भरकर बोरे लगाकर पानी को रोकने की कोशिश की गई लेकिन पानी के बढ़ते दबाव के आगे यह प्रयास नाकाम साबित हुए। घाट की एक तरफ दीवार का कुछ हिस्सा भी टूट गई जिससे पानी का प्रवाह और तेज हो गया। बाढ़ नियंत्रण विभाग और एमसीडी की टीमें मौके पर मौजूद हैं और हालात पर नजर रखे हुए हैं।

पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों के लिए मुसीबत

दिल्ली के वजीराबाद में यमुना का बढ़ता जलस्तर पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों के लिए मुसीबत बन गया है। घरों में पानी भरने से लोगों को सिग्नेचर ब्रिज के पास शरण लेनी पड़ रही है। लोगों का आरोप है कि शासन-प्रशासन ने उनकी सुध नहीं ली और न ही टेंट या अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। भारी बारिश ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है।

ड्रग्स सप्लाई में नाइजीरियाई और एक महिला समेत छह गिरफ्तार, अफ्रीकी नागरिक ने किया सिंडिकेट का खुलासा

दिल्ली : दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ड्रग्स सप्लाई करने वाले दो नाइजीरियाई नागरिक और महिला समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दिल्ली, ग्रेनो और बेंगलुरु से पकड़ा गया है। इनके कब्जे से लगभग 21 करोड़ रुपये के मूल्य का 7 किग्रा मेथमफेटामाइन बरामद की गई है।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया, 19 जुलाई को एक सूचना मिली कि केरल में एनडीपीएस के विभिन्न मामलों में वांछित सुहैल दिल्ली से बेंगलुरु, केरल और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की सप्लाई करता है। टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के एक बीएनबी गेस्ट हाउस से केरल के कन्नूर निवासी सुहैल और सुजिन को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 5950 ग्राम मेथमफेटामाइन बरामद किया गया।

जांच में पता लगा कि आरोपी व्हाट्सएप पर बातचीत के लिए नाइजीरिया का नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के छतरपुर इलाके में रहने वाले अफ्रीकी नागरिक टोबी डेको को गिरफ्तार कर लिया। इससे 64 ग्राम मेथामफेटामाइन बरामद किया गया। उसने बताया कि वह सुहैल को ड्रग्स की सप्लाई करता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर छाप साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 सिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)